www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 भ्रष्टाचार रुकेगा तो बढ़ेगा भारत, भ्रष्ट तत्वों पर सख्ती से लगानी होगी लगाम

ट्रम्प ने वेनेजुएला के पास 3 वॉरशिप भेजे 06

वर्ष :17 | अंक :141 | प्रयागराज , गुरूवार 21 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु के 9 इलाकों में एनआईए का तलाशी अभियान, पीएमके सदस्य हत्या मामले में एक को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को पीएमके पदाधिकारी रामलिंगम की 2019 में हुई हत्या के सिलसिले में तमिलनाडु भर में नौ जगहों पर छापेमारी की। डिंडीगुल, तेनकासी और कोडईकनाल में छापेमारी की गई, जिसमें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के पदाधिकारी शेख अब्दुल्ला के आवास पर भी छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, एनआईए ने इस मामले से जुड़े फरार घोषित अपराधियों को कथित तौर पर शरण देने के आरोप में इम्थुतुल्लाह नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह मामला फरवरी 2019 में तंजावुर जिले में रामलिंगम की हत्या से संबंधित है। धर्म परिवर्तन के प्रयासों का विरोध करने पर उन पर कथित तौर पर अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों ने हमला किया था। मार्च 2019 में इस मामले की जाँच अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने पहले 18 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, जिनमें से छह को भगोड़ा घोषित किया गया था।

सरकार ने लोकसभा में पेश किया ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाला बिल

केंद्र सरकार ने बुधवार को लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 पेश किया। नवाचार को बढ़ावा देने और नागरिकों की सुरक्षा के उद्देश्य से, इस विधेयक का उद्देश्य ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को बढ़ावा देना है, साथ ही वित्तीय, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक जोखिम पैदा करने वाले ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाना है। यह विधेयक तकनीक के ज़िम्मेदाराना उपयोग, मजबूत उपभोक्ता सुरक्षा उपायों और राष्ट्रीय सुरक्षा के संरक्षण पर भी जोर देता है। विधेयक पेश करते हुए, सरकार ने कहा कि पिछले एक दशक में, डिजिटल तकनीकों ने दैनिक जीवन को बदल दिया है। डिजिटल इंडिया, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, यूपीआई भुगतान प्रणाली, 5जी कनेक्टिविटी और बढ़ते सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र जैसी पहलों ने देश को एक नई वैश्विक पहचान दी है। दस्तावेज में कहा गया है कि इसलिए यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि समाज को प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के संभावित नुकसान से बचाया जाए। इसी सोच के साथ, सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 पेश किया है।

अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया गिरफ्तार पीएम सीएम को हटाने वाला बिल, विपक्ष ने जमकर किया विरोध

लोकसभा में विपक्ष ने शाह पर कागज के गोले फेंके:सरकार न 4 बिल पेश किए, विपक्षी सांसदों का सभी पर चर्चा से इनकार

विवादास्पद विधेयक

अमित शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए। हालांकि, इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने इस बिल को जमकर विरोध किया।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में विवादास्पद विधेयक पेश किया, जिसमें प्रस्ताव है कि यदि किसी मौजूदा मंत्री, मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें एक महीने के भीतर अपना पद गंवाना पड़ सकता है। अमित शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए। हालांकि, इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने इस बिल को जमकर विरोध किया।

लोकसभा से तीन बिल जेपीसी के पास भेजे गए

अनुराग ठाकुर बोले- विपक्ष भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ा है

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष किसका विरोध कर रहा है, नैतिकता का या भ्रष्टाचार का? आखिरकार, भारतीय राजनीति में अगर हम नैतिकता के आधार पर और भ्रष्टाचार के खिलाफ इस्तीफा देने की बात करते हैं, और फिर कानून बनाने की बात करते हैं, तो विपक्ष इसका विरोध क्यों करता है? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों के साथ कौन खड़ा है - विपक्ष, और भ्रष्टाचार से मुक्त कौन है - भाजपा। विपक्ष भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

लोकसभा से ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल पास

लोकसभा की कार्यवाही 5 बजे फिर से शुरू हुई। सदन में केंद्रीय सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाले बिल को पारित कराने के प्रस्ताव रखा। इसके बाद बिल लोकसभा से पास हुआ। इस दौरान विपक्षी सांसद एसआईआर मुद्दे को लेकर नारेबाजी भी करते रहे। बिल पास होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही कल 21 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

क्या है विधेयक

केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025 के उद्देश्यों और कारणों संबंधी बयान के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है।

राजा अपनी मर्जी से किसी को हटा देगा...

राहुल गांधी ने 130वें संविधान संशोधन बिल को लेकर साधा निशाना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिनके तहत प्रधानमंत्री और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर पद से हटाया जा सकेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं जब राजा अपनी इच्छा से किसी को भी हटा सकता था, या अगर उसे किसी का चेहरा पसंद नहीं आता था, तो वह उसे गिरफ्तार करने के लिए ईडी से कह सकता था, और लोकतांत्रिक रूप से चुने गए व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर बाहर निकाला जा सकता था।

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को तीन विवादास्पद विधेयकों को पेश किए जाने की निंदा की, जिनमें गंभीर आरोपों में 30 दिन जेल में बिताने के बाद प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश को मध्ययुगीन काल में ले जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिनके तहत प्रधानमंत्री और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर पद से हटाया जा सकेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं जब राजा अपनी इच्छा से किसी को भी हटा सकता था, या अगर उसे किसी का चेहरा पसंद नहीं आता था, तो वह उसे गिरफ्तार करने के लिए ईडी से कह सकता था, और लोकतांत्रिक रूप से चुने गए व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर बाहर निकाला जा सकता था। आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में ह्यसंविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। विधेयकों के उद्देश्यों और कारणों में कहा गया है कि कोई मंत्री जो गंभीर दंडनीय अपराधों के आरोप का सामना कर रहा है, उसे गिरफ्तार किया जाता है और हिरासत में रखा जाता है तो वह संवैधानिक नैतिकता के मापदंडों तथा सुशासन के सिद्धांतों को विफल कर सकता है या उनमें बाधा डाल सकता है और अंततः लोगों द्वारा उसमें जताए गए विश्वास को कम कर सकता है।

विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे...

सीपी राधाकृष्णन के नामांकन पर बोले पीएम मोदी

सीपी राधाकृष्णन के साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु, एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े भी मौजूद थे।

एजेंसी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रियों, पार्टी सहयोगियों और एनडीए नेताओं के साथ, मैं थिरु सीपी राधाकृष्णन के साथ भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने गया। एनडीए परिवार को विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे और राष्ट्रीय प्रगति की हमारी यात्रा को समृद्ध करेंगे। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे। राधाकृष्णन ने लगभग 20 प्रस्तावकों और 20 समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले आज, उन्होंने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की उन्होंने संसद भवन में छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले, रानी लक्ष्मीबाई, बीआर अंबेडकर और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीएम हाउस में हमला

आरोपी गुजरात का, सीसीटीवी में रेकी करता दिखा; भाजपा बोली- हमला आप ने कराया

दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 'जन सुनवाई' के दौरान अप्रत्याशित हमला हुआ। राजकोट के राजेश भाईजी ने थप्पड़ मारा, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस घटना की जांच कर रही है और सुरक्षा बढ़ाई गई है।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री को थप्पड़ मारा। इसके बाद, आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। उत्तर दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि आरोपी की पहचान गुजरात के राजकोट निवासी राजेश भाईजी के रूप में हुई है। हमले के मकसद का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इस घटना के बाद, उत्तर दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मुख्यमंत्री कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस अप्रत्याशित घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ आपके बीच रहूँगी...हमले के बाद दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता का पहला बयान

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ऐसे हमले जनसेवा के प्रति उनके उत्साह और समर्पण को कभी नहीं तोड़ सकते। उन्होंने घोषणा की, मैं अब पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ आपके बीच रहूँगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जनशिकायत सुनवाई और लोगों की समस्याओं के समाधान के प्रयास उसी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेंगे। 20 अगस्त की सुबह हुए इस चौंकाने वाले हमले के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे न केवल उन पर, बल्कि राजधानी के लोगों की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर भी एक कायराना हमला बताया। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई के दौरान हुआ हमला न केवल मुझ पर, बल्कि दिल्ली के कल्याण के लिए काम करने के हमारे संकल्प पर भी प्रहार था। गुप्ता ने स्वीकार किया कि शुरुआत में वह इस घटना से हिल गई थीं, लेकिन उन्होंने समर्थकों को आश्वस्त किया कि अब वह काफी बेहतर महसूस कर रही हैं। उन्होंने शुभचिंतकों से अनुरोध किया कि वे उनसे मिलने आकर खुद को कष्ट न दें, और कहा कि वह जल्द ही लोगों के बीच वापस आएंगी और पहले की तरह काम करेंगी।

अब्बास अंसारी पर आ गया इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

दोषसिद्धि रद्द, सदस्यता बहाल

मऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 31 मई, 2025 को उन्हें 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषणों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया था और दो साल की कैद और 3,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसी सजा के आधार पर, 1 जून, 2025 को उनका विधायक पद समाप्त कर दिया गया था।

एजेंसी

माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे और पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अंसारी की याचिका स्वीकार करते हुए मऊ स्थित एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट द्वारा सुनाई गई दो साल की जेल की सजा को रद्द कर दिया है। इस आदेश के साथ ही अब उनका विधायक का दर्जा बहाल हो जाएगा और मऊ सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। मऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 31 मई, 2025 को उन्हें 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषणों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया था और दो साल की कैद और 3,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

5000 किमी की रफ्तार से परमाणु बम ले जाने में सक्षम

भारत ने कर दिया अग्नि-5 का सफल परीक्षण

यह अग्नि श्रृंखला की सबसे उन्नत मिसाइल है, जो सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक परिवार है। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि 5 को आधुनिक नेविगेशन, मार्गदर्शन, वारहेड और इंजन प्रौद्योगिकियों के साथ डिजाइन किया गया है, जो इसकी मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ा सकती है।

एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि 5' का सफल परीक्षण किया गया है। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को पूरा किया। यह सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। अग्नि-5 एक लंबी दूरी की, परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया है। यह अग्नि श्रृंखला की सबसे उन्नत मिसाइल है, जो सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक परिवार है। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल ह्यअग्नि 5ह्ल को आधुनिक नेविगेशन, मार्गदर्शन, वारहेड और इंजन प्रौद्योगिकियों के साथ डिजाइन किया गया है, जो इसकी मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ा सकती है।

अग्नि- के बारे में जानने योग्य मुख्य बातें

अग्नि-5 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित एक भूमि-आधारित परमाणु टकफश-सक्षम मिसाइल है।

यह मिसाइल परमाणु उपयोग के लिए डिजाइन की गई है और इसकी मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से अधिक है। जून 2025 में, यह बताया गया था कि अग्नि-5 बनाने पर काम कर रहा है, जिससे इसकी मारक क्षमता 7,500 किलोमीटर तक बढ़ जाएगी।

सबूत नहीं थे तो वोट चोरी के क्यों लगाए आरोप'

सीएसडीएस के संजय कुमार ने मानी गलती, भाजपा बोली- राहुल मांगें माफी

सीएसडीएस के संजय कुमार ने अपना ट्वीट किया डिलीट, वोट चोरी के साक्ष्य का किया था दावा. भाजपा हमलावर.

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकनीति-सीएसडीएस के को-डायरेक्टर और चुनाव विश्लेषक संजय कुमार के जिस ट्वीट पर बवाल मचा था, उसे उन्होंने डिलीट कर दिया है. इस पर भाजपा ने निशाना साधा है. कांग्रेस पार्टी ने इस ट्वीट में उल्लिखित तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग और भाजपा को कटघरे में खड़ा किया था. संजय कुमार ने अपने ट्वीट में 2024 लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र के दो विधानसभा क्षेत्रों के आंकड़े दिए थे. उनके अनुसार विधानसभा चुनाव के दौरान नासिक वेस्ट और हिंगना विधानसभा क्षेत्रो ? में मतदाताओं की संख्या लोकसभा चुनाव के मुकाबले काफी बढ़ गई थी. कांग्रेस पार्टी ने इन आंकड़ों को 'वोट-चोरी' से जोड़ दिया. इस ट्वीट में संजय कुमार ने दावा किया था कि नासिक वेस्ट में 47.38 फीसदी और हिंगना में 43.08 फीसदी मतदाताओं की संख्या बढ़ गई.ट्वीट में बताया गया था कि नासिक वेस्ट में मतदाताओं की संख्या 483,459 हो गई

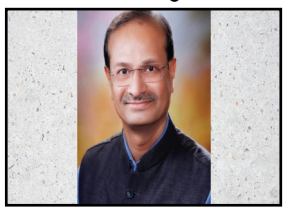

दावा सीएम रेखा गुप्ता पर हमले को लेकर मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा दावा

24 घंटे से कर रहा था रेकी, आवास के पास बिताई रात...

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले का आरोपी पिछले 24 घंटों से उनके आवास की रेकी कर रहा था और मुख्यमंत्री से मिलने की योजना बना रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी रेकी के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास पर पहुँचा था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने उनके आवास के पास रात बिताई और जनसभा के दौरान उन पर हमला किया। प्रवेश साहिब सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि अब पता चला है कि वह व्यक्ति मुख्यमंत्री से मिलने का रास्ता ढूँढने के लिए 24 घंटे से रेकी कर रहा था। उसने शालीमार बाग स्थित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घर तक की रेकी की थी। प्रवेश वर्मा ने कहा कि कल उसने पास के सिविल लाइंस इलाके में रात बिताई और आज सुबह जब वह आया, तो उसके पास कोई कागजात नहीं थे। ऐसा कोई मामला नहीं था और उसने मिलते ही हमला कर दिया। दिल्ली के मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जनसुनवाई के दौरान बिना किसी कड़ी सुरक्षा के रोजाना 2000 लोगों से मिलती हैं और उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जाँच कर रही है और उसके आधार पर आगे की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय बाद दिल्ली को एक ऐसी मुख्यमंत्री मिली है जो रोजाना अपने घर पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर रही थीं। रोजाना दिल्ली-एनसीआर से 1000-2000 लोग आते थे। वह बिना किसी रोक-टोक और सुरक्षा के सभी से मिलती थीं और उनकी समस्याएँ सुनती थीं। आज जो कुछ भी हुआ है, वह बेहद निंदनीय है। हमने अभी-अभी मुख्यमंत्री से मुलाकात की है। वह घायल हो गई हैं और उनकी एमएलसी चल रही है। पुलिस जाँच कर रही है कि वह व्यक्ति कौन था, उसके दिमाग में क्या था और क्या साज़िश थी। पुलिस अपनी जाँच कर रही है और आपको आगे की जानकारी देगी। इस बीच, दिल्ली के एक अन्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ठीक हैं और आरोपियों ने उनके आवास का वीडियो बनाया था। उन्होंने कहा कि आरोपी सिर्फ.सीएम गुप्ता पर हमला करने के इरादे से आए थे और उनके पास जनसुनवाई से संबंधित कोई कागजात नहीं थे। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की हालत स्थिर है। हमलावर पिछले 24 घंटों से रेकी कर रहा था। वह रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास पर भी गया था। उसने वहां वीडियो भी बनाए थे...यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह हमला करने के इरादे से आया था।

"प्रवेश वर्मा ने कहा कि कल उसने पास के सिविल लाइंस इलाके में रात बिताई और आज सुबह जब वह आया, तो उसके पास कोई कागजात नहीं थे। ऐसा कोई मामला नहीं था और उसने मिलते ही हमला कर दिया।

ओवैसी का मोदी सरकार पर वार, देश को पुलिस राज बनाना चाहती है बीजेपी

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आरोपों पर हटाने वाले केंद्र सरकार के विधेयक पर सियासी पारा चढ़ा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा सरकार पर देश को 'पुलिस राज' बनाने का आरोप लगाते हुए इसे असंवैधानिक बताया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज इस विधेयक को संसद में पेश करेंगे, जिसका ओवैसी की पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को इस कदम को असंवैधानिक करार दिया और भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है; यह विधेयक इसके खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिल जाएगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार इन विधेयकों के जरिए हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करेंगे...भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती।

सम्पादकीय

निराशा से निकले धमकी के सुर, परमाणु पर पाकिस्तानी सेना ने खुद ही अपनी करतूतों को किया उजागर

हमारे नीति-निमार्ताओं को पाकिस्तान की बयानबाजी पर गंभीरता और सख्ती दिखानी होगी अन्यथा पाकिस्तान अमेरिका को भारत-पाकिस्तान परमाणु समीकरण में फिट करने की कोशिश करेगा। आपरेशन सिंदूर ने नई दिल्ली को यह नई सीख दी है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ जोखिम स्वीकार करना और पाकिस्तान अपने किसी भी दुस्साहस की कीमत चुकाए ऐसी क्षमताएं बढ़ाने में ही में भविष्य की राह निहित है। महज कुछ माह के अंतराल में अपनी दूसरी अमेरिकी यात्रा के दौरान पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर ने भारतीय उपमहाद्वीप में परमाणु हथियारों से जुड़ा वितंडा खड़ा किया। उन्होंने भारत के मौजूदा बुनियादी ढांचे और भावी अहम परियोजना को निशाना बनाने की धमकी दी। उनकी इस धमकी को भारत की उस नई रणनीति के आलोक में देखने की जरूरत है, जिसमें नई दिल्ली ने दशकों पुराने रवैये को पीछे छोड़ते हुए आतंक की किसी भी घटना को देश पर हमले के रूप में मानते हुए उसके कड़े प्रतिकार की नई नीति बनाई है। इस नीति का उद्देश्य यह है कि पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस की स्थिति में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की सैन्य कार्रवाई के प्रति समर्थन सुनिश्चित करते हुए उसकी करतूतों को उजागर किया जा सके। मुनीर की परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी वैसी ही बयानबाजी है, जैसी अक्सर पाकिस्तान की ओर से होती रहती है। कुछ पहलुओं पर इसकी पड़ताल भी जरूरी हो जाती है। यह किसी से छिपा नहीं रहा कि पाकिस्तान का कुलीन वर्ग और सेना मुख्य रूप से अपना अस्तित्व ही भारत के खिलाफ भावनाओं का भयादोहन करके ही बचाते आए हैं। पाकिस्तानी सेना देश और देश के बाहर नैरेटिव को नियंत्रित करने वाली सबसे प्रमुख कड़ी बनी हुई है। मुनीर की बयानबाजी पाकिस्तान सेना की इस छवि को नए सिरे से स्थापित करने का ही प्रयास है कि सेना पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने में समर्थ है। पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठतम अधिकारी के रूप में मुनीर की पाकिस्तानी परमाणु नीति में बदलाव अपनी ओर से पेश किए जा रहे खतरे को दोहराने की कोशिश है। इसके पीछे की मूल मंशा मुनीर की उस मजहबी-वैचारिक सोच से जुड़ी है, जिसके अनुसार भारत को एक ऐसे हिंदू देश के रूप में देखा जाता है, जो पाकिस्तान के लिए खतरा है। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर जोर देने की धमकी भारत के साथ रणनीतिक स्थिरता को पुनः संतुलित करने की कोशिश है। वर्ष 1998 में परमाणु क्षमता हासिल करने के बाद से ही पाकिस्तान नई दिल्ली पर परमाणु धमकियों के जरिये दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। इसके जवाब में भारत अपनी पारंपरिक सैन्य कार्रवाइयों के माध्यम से अधिक जोखिम उठाकर डेटरेंस यानी निवारक क्षमता बढ़ाने और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के स्तर पर नए आयाम गढ़ने का काम करता आया है।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको शांत रहना होगा और वाणी पर भी संयम रखें। आपके लिए किसी भी विवाद में पड़ना परेशानी खड़ी कर सकता है। राजनीति के मामले में आपको किसी से बड़ा सहयोग मिल सकता है और कार्यस्थल पर विरोधियों की रणनीति भी फेल हो जाएंगे।

वृषभ राशि: दिन कारोबार और नौकरी के मामले में उत्तम रहने वाला है। आर्थिक मामलों में लाभ होगा और धन में वृद्धि होने के योग भी बन रहे हैं। कार्यस्थल पर नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिल सकता है और प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी।

मिथुन राशि : हर मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी और धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा और आपके रुके हुए काम भी अब पूरे हो सकते हैं।

कर्क राशि: आप किसी बात को लेकर परेशान रह सकते हैं। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। व्यवसाय के मामले में कोई योजना आगे बढ़ सकती है। लेकिन आपको स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान होगा, अन्यथा इसका असर कामकाज पर भी पड़ सकता है।

सिंह राशि : आर्थिक मामलों में आपको सावधान रहना होगा। पैसों की लेन-देन के समय सतर्क रहें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। ऐसा करने नुकसान हो सकता है। कार्यस्थल पर किसी अधीनस्थ कर्मचारी के चलते तनाव उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आपको धैर्य के साथ काम करना होगा।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में किसी निर्णय लेने या कार्य की दिशा में आप थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। लेकिन आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा और आपको सफलता भी प्राप्त होगी।

तुला राशि : जो लोग नौकरी की तलाश में लंबे समय से लगे हुए हैं उन्हें कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता और रोजगार मिलने की भी संभावना है। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और आर्थिक मामलों में किए गए प्रयासों से उत्तम परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : अगर आप लंबे समय से किसी बड़े कर्ज में फंसे हुए थे तो अब छुटकारा मिलने की संभावना है। वहीं, व्यापार के मामले में भी आपको सफलता प्राप्त होगी और स्वास्थ्य बेहतर होता जाएगा। लेकिन खानपान पर ध्यान जरूर दें।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा, अन्यथा वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं। वहीं, आर्थिक मामलों में सफलता प्राप्त हो सकती है और मधुर वाणी और व्यवहार के चलते आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा।

मकर राशि : कार्यक्षेत्र में धैर्य के साथ काम करने से आपके सारे जरूरी काम समय पर पूरे होंगे और नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको कोई उपहार या विशेष सम्मान भी प्राप्त हो सकता और दूसरों से सहयोग मिलने से भी मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ राशि : राजनीति की दिशा में किए गए प्रयासों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है और शासन सत्ता का सहयोग मिलने की भी संभावना है। कार्यक्षेत्र में पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर खर्चे करना बेहतर रहेगा और आपकी मुलाकात किसी घनिष्ठ मित्र से भी हो सकती है। व्यापार के मामले में किसी यात्रा पर जाने के योग भी बन सकते हैं।

मीन राशि : व्यवसाय के मामले में दिन अच्छा रहेगा और लाभ कमाने के मौके मिल सकते हैं। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। अगर लंबे समय से किसी समस्या या विवाद का सामना कर रहे थे तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी कार्य के पूरे होने से आपकी सराहना भी की जाएगी और वर्चस्व में वृद्धि होगी। परिवार के मामले में भी दिन अच्छा रहेगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भ्रष्टाचार रुकेगा तो बढ़ेगा भारत, भ्रष्ट तत्वों पर सख्ती से लगानी होगी लगाम

अपने देश में भ्रष्ट सरकारी अफसरों-कर्मियों को दंडित करना अब भी कठिन है। शीर्ष स्तर के भ्रष्ट अफसरों को तो दंड देना कुछ ज्यादा ही कठिन है। कई बार नेताओं से भी अधिक। यह ठीक है कि उन्हें एक हद तक संरक्षण मिलना चाहिए ताकि वे बिना किसी भय और दबाव के फैसले ले सकें लेकिन इस कवच के दायरे में भ्रष्ट तत्व क्यों आने चाहिए?

प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से 103 मिनट के अपने लंबे संबोधन में देश-दुनिया का ध्यान खींचने वाली जो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, उन पर अब तक चर्चा हो रही है। इसलिए हो रही है, क्योंकि कुछ घोषणाएं देश का कायाकल्प करने वाली हैं। जीएसटी में व्यापक बदलाव समेत नए दौर के आर्थिक सुधार लाने, रोजगार की नई योजना शुरू करने, डेमोग्राफी मिशन की तैयारी से लेकर रक्षा से जुड़ी सुदर्शन चक्र और ऊर्जा सुरक्षा संबंधी समुद्र मंथन जैसी योजनाओं की घोषणाएं ऐसी हैं कि यदि उन पर आधा भी अमल हो सके तो देश का भाग्योदय हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से कार्यभार संभाला है, तब से ही अर्थात 2014 से लाल किले से दिए गए उनके भाषणों की कुछ बातों का उल्लेख रह-रह कर होता है। ऐसी कुछ घोषणाओं ने तो प्रभावी योजनाओं का रूप भी लिया, जैसे स्वच्छ भारत अभियान, शौचालय निर्माण, आयुष्मान भारत योजना, कृषि सम्मान निधि आदि। प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ भी कुछ न कुछ कहते रहे हैं। 2024 में उन्होंने दो टूक कहा था, ह्यभ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई ईमानदारी के साथ जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी। मैं उनके लिए भय का वातावरण पैदा करना चाहता हूं। देश के सामान्य नागरिकों को लूटने की जो परंपरा बनी है, उसे मुझे रोकना है।ह्ल इसके अलावा वे पीएम बनने के पहले यह भी कह चुके हैं कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। क्या यह कहा जा सकता है कि भ्रष्ट तत्वों के लिए भय के वातावरण का निर्माण हो सका है? इसका सीधा जवाब है-नहीं। केवल यह कहना ही सही नहीं कि सरकारी क्षेत्र में जहां किसी तरह का निर्माण, वहां भ्रष्टाचार। सच यह भी है कि जहां भी किसी तरह का सरकारी दखल, वहां पैसे लेने-देने का चलन। यदि सरकारी तंत्र को कोई अनुमति-स्वीकृति देनी है या किसी तरह का प्रमाणन या नवीनीकरण करना है तो वह बिना जेब ढीली किए होना मुश्किल है। कई बार लोगों के जायज काम भी कुछ दिए बिना नहीं होते और सब जानते हैं कि नाजायज काम होते रहते हैं। सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार बढ़ते-बढ़ते इतना व्यापक हो गया है कि वह निजी क्षेत्र में भी घुस गया है। सरकारी क्षेत्र में मलाईदार पदों पर नियुक्तियों, कोई काम या ठेका देने अथवा खरीद में जैसा भ्रष्टाचार है, वैसा ही कुछ-कुछ निजी क्षेत्र में भी है। कमीशनबाजी हर कहीं है। यह है तो दलाली और घूसखोरी ही, पर अब उसे सुविधा शुल्क भी कहते हैं। इसके आधार पर ऐसे निष्कर्ष पर भी नहीं पहुंचा जाए कि देश गड्ढे में जा रहा है अथवा सबके सब सरकारी अधिकारी-और कर्मचारी भ्रष्ट हैं। ऐसा नहीं है। भारत विरोधाभासों का देश है। अपने यहां कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी भी हैं और वे अपना काम सही तरीके से भी करते हैं। कुछ तो फोन पर भी जनता की शिकायत सुनकर उसका समाधान कर देते हैं, पर यह कहना बहुत कठिन है नौकरशाही में उनकी ही अधिकता है। ऐसा होता तो आज परिदृश्य कुछ और होता। इसके बाद भी यह सही से काम करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों की ही कर्तव्यनिष्ठा का नतीजा है कि कुछ सरकारी विभागों का कामकाज सुधरा और सुगम हुआ है। इसका लाभ भी मिला है। यदि उदाहरण देना हो तो पासपोर्ट कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) आदि का दिया जा सकता है। राज्य सरकारों के भी कुछ विभागों के कामकाज में सुधार के साथ पारदर्शिता बढ़ी है। यदि कहीं-कहीं सरकारी काम में लगने वाला समय कम हुआ है, कुछ सरकारी दफ्तरों में कतारें कम या खत्म हुई हैं और समय के साथ औसत लोगों की आय बढ़ी है एवं देश पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो इसका मतलब है कि कुछ अच्छा हुआ है और हो रहा है, लेकिन क्या हम विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में सही गति और दिशा में बढ़ रहे हैं? हम विकसित देश के लक्ष्य को पाने की सही गति और दिशा पकड़ सकें, इसके लिए अभी बहुत कुछ करना है-केंद्र सरकार को भी, राज्य सरकारों को भी और सबसे बड़ी बात उनकी नौकरशाही को भी। भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों के गठजोड़ को प्राथमिकता के आधार पर खत्म करना होगा। यह गठजोड़ स्थानीय निकायों के स्तर पर ही शुरू हो जाता है। यदि सरकारी वेतन बढ़ रहे हैं तो सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती भी बढ़ानी होगी। भ्रष्ट तत्वों के मन में सचमुच दंडित होने का भय होना चाहिए, भले ही वे कितने ही उच्च पद पर हों। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती दिखाने की बातें तो होती रहती हैं, लेकिन नतीजा वैसा नहीं, जैसा दिखना चाहिए। अपने देश में भ्रष्ट सरकारी अफसरों-कर्मियों को दंडित करना अब भी कठिन है। शीर्ष स्तर के भ्रष्ट अफसरों को तो दंड देना कुछ ज्यादा ही कठिन है। कई बार नेताओं से भी अधिक। यह ठीक है कि उन्हें एक हद तक संरक्षण मिलना चाहिए, ताकि वे बिना किसी भय और दबाव के फैसले ले सकें, लेकिन इस कवच के दायरे में भ्रष्ट तत्व क्यों आने चाहिए? नि:संदेह कोई भी देश और यहां तक कि लाखों की आबादी वाले देश भी भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त नहीं, लेकिन वे भ्रष्ट तौर-तरीकों पर प्रभावी रोक लगा सकते हैं। सबसे अधिक आबादी वाला भारत भी ऐसा कर सकता है। जब भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, तभी भारत तेजी से आगे बढ़ेगा और विकसित देश के सपने को साकार करेगा।

आर्थिक तथा सामरिक महाशक्ति बननें अग्रसर भारत

संजीव ठाकुर

पिछले 11 वर्षों में भारत की चौतरफा विकास की गति को पूरा विश्व अपनी आंखों से देख रहा है। अब भारत एशिया का बड़ी शक्ति केंद्र बनकर उभर रहा है। चीन के बाद भारत बहुत बड़ी सामरिक शक्ति भी बन चुका है। भारत ने अन्न तथा दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट लोहे से बनी सामग्रियां एवं सामरिक महत्व के हवाई जहाज पानी के जहाज एवं अन्य आवश्यक अस्त्र-शस्त्र निर्माण करने में अग्रणी भूमिका का संचालन शुरू कर दिया है। अब भारत शस्त्रों का निर्यातक भी बन गया है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान रुस से भारत ने कच्चा तेल आयात कर उसे भी परिष्कृत करने के बाद दूसरे देशों में बेचना शुरू कर दिया और यह बात अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप को नागवार गुजरी जिसके फलस्वरुप उसने 25 से लेकर 50% तक आयात शुल्क लगाकर एक नया विवाद शुरू कर दिया है। जिससे भारत तथा अमेरिका के रिश्तो में अस्थाई रूप से खटास आ गई है।

स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत अब एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आया है। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है।ह्ल

मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया है।ह्ल अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था।ह्ल

पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी ,बेरोजगारी ,भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ है।ह्ल आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया ,यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 141 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया है।ह्ल विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गों जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए। अभी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के के साथ सामाजिक तथा प्रशासनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सकीय स्तर पर केवल कागजों में दिखाई देती है नारी प्रताड़ना का प्रतिशत अभी भी भारत में बहुत ज्यादा है। ग्रामीण क्षेत्र में बाल श्रम की स्थिति विकराल है अनाज का पर्याप्त भंडारण होने के बावजूद भूखमरी तथा बेरोजगारी भारत में सिर चढ़कर बोल रही है। इसी तरह भारत में सुरक्षा की दृष्टि से बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं जैसे धार्मिक उन्माद, नक्सलवाद, चरमपंथी विचारधारा तथा विभिन्न राज्यों के आपसी विवादों से हमें मजबूती से निपटना होगा तब जाकर विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित रूप से बहुत कम है। भारत अभी वैज्ञानिक, तकनीकी और सुरक्षा के उच्च स्तर पर नहीं पहुंच पाया है। जिससे वह हर देश से आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से संतुलन बनाकर आमने सामने बैठ कर बात कर सके और इतना सामर्थ हो भारत कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के आमंत्रित सदस्य बनकर बुलाए जाएं ।गांधी जी ने स्वतंत्रता के बाद कहा था कि मेरे सपनों का भारत कैसा भारत हो जिसमें गरीब से गरीब और वंचित से वंचित तथा पिछड़ा व्यक्ति भी भारत को अपना देश समझे तथा भारत की सरकार ऐसी सरकार जो अपनी नीतियां अंतिम व्यक्ति को सोचकर बना सके और उस व्यक्ति को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सके। गांधी जी के सपनों के भारत को बनाने के लिए देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक रूप से शक्ति संपन्न बनाना होगा तभी भारत का हर नागरिक अपने भारत के नागरिक होने पर गर्व उच्च स्तर पर कर सकेगा।

उपराष्ट्रपति के लिए राधाकृष्णन को आगे कर भाजपा ने विपक्ष को असमंजस में डाला

रामस्वरूप रावतसरे

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के नाम पर भाजपा ने आम सहमति बनाने की शुरूआत कर दी है। भाजपा की कोशिश है कि उपराष्ट्रपति के चुनाव की नौबत ना आए और सर्वसम्मति से ही राधाकृष्णन को अगला उपराष्ट्रपति चुन लिया जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए कॉन्ग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बातचीत की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि भाजपा उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विपक्ष से बात करेगी। सभी विपक्षी दलों का समर्थन जुटाने की कोशिश में पूरी तरह से जुटी हुई है हालाँकि, कॉन्ग्रेस ने इस पर अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं ।चुनाव आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक, 21 अगस्त 2025 उपराष्ट्रपति के उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने की आखिरी तारीख है। ऐसे में अगर आम सहमति नहीं बनती है तो विपक्षी गठबंधन आईएनडीआई को अगले 1-2 दिन में ही अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान करना होगा। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराया जाना है। भाजपा ने अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर विपक्ष का सिर दर्द बढ़ा दिया है। मूल रूप से तमिलनाडु से आने वाले और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का नाम भाजपा द्वारा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा लगातार दक्षिण भारत में विस्तार की कोशिश में लगी है। ऐसे में राधाकृष्णन का नाम भाजपा की सोची समझी चाल के तौर पर देखा जा रहा है। इसकी एक नहीं बल्कि कई वजहें हैं। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के बाद सबसे अधिक दुविधा में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन हैं। स्टालिन अब तक केंद्र के फैसलों का तमिल अस्मिता के नाम पर विरोध करते रहे हैं। अब अगर आईएनडीआई गठबंधन अपने उम्मीदवार का ऐलान करता है और वो तमिलनाडु से नहीं होता है तो तमिल अस्मिता का प्रश्न फिर स्टालिन को ही घेरेगा। अगर स्टालिन इस निर्णय पर एनडीए के साथ खड़े हो जाते हैं तो यह आईएनडीआई गठबंधन में टूट का स्पष्ट संकेत होगा। स्टालिन ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं लेकिन उनकी पार्टी ने अपना नरम रुख दिखाना शुरू कर दिया है। विपक्षी गठबंधन की धुरी आज राहुल गांधी बन चुके हैं लेकिन इस स्थिति में सबसे बड़ी चुनौती उन्हीं के सामने है। वे जिस विपक्षी एकजुटता का दावा करते हैं, वह राधाकृष्णन के नाम से डगमगा सकती है। 2022 का उदाहरण उनके सामने है. जब जगदीप धनखड़ को भाजपा ने उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया था तो ममता विपक्षी मंच पर होने के बावजूद समर्थन करने को मजबूर हो गई थीं। अब वही दुविधा ठाकरे और स्टालिन के सामने है। अगर वे एनडीए के उम्मीदवार का समर्थन कर देते हैं तो यह मैसेज जाएगा कि कांग्रेस विपक्षी गठबंधन को एकजुट रखने में नाकाम है। राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठेंगे। आखिर उनके साथ खड़े होने वाले ही क्यों डगमगा जाते हैं? जानकारों के अनुसार मोदी और शाह की राजनीति की खासियत यह है कि वे चुनावी मुकाबले को सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं मानते बल्कि उसे मनोवैज्ञानिक लड़ाई बना देते हैं। राधाकृष्णन का नाम घोषित कर वे एक तीर से तीन निशाने साध चुके हैं। उद्धव ठाकरे को मजबूर कर दिया कि वे विरोध न कर पाएं। स्टालिन को ऐसी स्थिति में डाल दिया कि कोई भी फैसला उनके लिए भारी पड़े। राहुल गांधी को कमजोर दिखा दिया क्योंकि विपक्षी एकता अब सवालों के घेरे में आ गई। अगर उद्धव ठाकरे और स्टालिन जैसे बड़े चेहरे समर्थन की तरफ झुकते हैं

रक्षाबंधन पर्व पर 63 लाख महिलाओं एवं 15 लाख सहयात्रियों ने मुफ्त परिवहन सेवा का लाभ उठाया

मुख्यमंत्री जी का यह कदम सराहनीय एवं प्रशंसनीय रहा -दयाशंकर सिंह

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं एवं उनके साथ एक सहयात्री के लिए 66 घंटे की मुफ्त यात्रा की घोषणा प्रदेश की महिलाओं, बहनों एवं बेटियों एक अत्यन्त सराहनीय एवं जनहित कदम रहा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में इस वर्ष 66 घंटे की मुफ्त यात्रा के दौरान प्रदेश की लगभग 63 लाख महिलाओं ने जबकि 15 लाख सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। यह सरकार की महिला सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशीलता को भी दशार्ता है। परिवहन मंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व पर लाखों बहनों अपने भाईयों तक सहजता से पहुंच सके और अपने परिवार के साथ इस पावन पर्व को धूमधाम से मनाया। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा उठाया गया यह कदम वास्तव में महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षा को नई दिशा देने वाला रहा। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए इस सराहनीय कार्य के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ने पूरी लगनता एवं मेहनत के साथ कार्य करते हुए रक्षाबंधन पर्व को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया।

सिविल लाइन में अतिक्रमण हटाने पर हंगामा

कारोबारियों ने विरोध जताया, सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी समेत 100 वाहनों का चालान

भारत संवाद

प्रयागराज, सिविल लाइंस क्षेत्र के सुभाष चौराहे से लेकर नवाब यूसुफ रोड तक नगर निगम ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान मौके पर जमकर हंगामा हुआ। इस अभियान में नगर निगम की पूरी टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस बल भी मौजूद रहा। अभियान के दौरान 100 से अधिक वाहनों का चालान किया गया। वहीं, कई गाड़ियां नो पार्किंग जोन में खड़ी होने के कारण मौके से टोचन करके उठवा दी गईं। मौके पर सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी मिली जिसका चालान किया गया। कार्यवाही के दौरान पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। व्यापारियों और दुकानदारों ने नगर निगम की टीम का विरोध करते हुए हंगामा किया और बहस बाजी की। कई दुकानदारों ने आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के कार्रवाई की गई, जिससे व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पहले ही कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी, बावजूद इसके अतिक्रमण हटाया नहीं गया। पीडीए और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान उस वक्त चर्चा का विषय बन गया जब सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी मिली। गाड़ी करीब एक घंटे से अधिक समय तक नो पार्किंग क्षेत्र में खड़ी रही, जिससे यातायात बाधित हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का पालन करते हुए कमिश्नर की गाड़ी का चालान किया। हालांकि, टोचन की कोशिश की गई लेकिन बड़ी गाड़ी की वजह से नहीं टो हो सकी। यह कार्रवाई मुख्य रूप से सुभास चौराहे से लेकर नवाब यूसुफ रोड तक दोनों लेन पर स्थित दुकानों के सामने हुए अतिक्रमण को हटाने और नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ की गई। इस इलाके में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है।

सड़क किनारे गाड़ियां खड़ी कर दी जाती हैं, कई जगहों पर वाहन रिपेयरिंग का कार्य सड़कों पर ही किया जा रहा है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कई बार सिविल लाइंस में व्यापारियों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी गई, लेकिन लगातार अनदेखी के चलते यह सख्त कदम उठाना पड़ा।

मौके पर पीडीए के अपर आयुक्त स्वयं मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी करते रहे। ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक नियंत्रण बनाए रखा और नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई करते हुए चालान काटे।

फास्ट ट्रैक

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा प्रशिक्षित, चयनित एवं सूचीबद्ध परा विधिक स्वयंसेवक ही मान्यता प्राप्त है

भारत संवाद

सचिव/एडीजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि राष्ट्रीय पैरा लीगल वालंटीयर्स वेलफेयर एसोसिएशन नामक एक संस्था देश के विभिन्न भागों में कार्यरत है, जो पैरा लीगल वालंटीयर्स (पीएलवी) का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है। नालसा के सदस्य सचिव ने आगे बताया है कि नालसा ने ऐसे किसी भी संगठन को मान्यता, संबंद्धता, प्राधिकृत या अनुमोदन प्रदान नहीं किया है। नालसा के निदेर्शों के अनुसार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के परा विधिक स्वयं सेवक को ही मान्यता प्राप्त है अतएव वही परा विधिक स्वयं सेवक जो राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा प्रशिक्षित, चयनित एवं सूचीबद्ध हों।

थाना को0 देहात पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर बहला-फुसला कर दुष्कर्म करने व गर्भपात कराने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0 देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः05.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला-फुसला के शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व गर्भपात करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0 देहात पर मु0अ0सं0-332/2025 धारा 69,89 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0 देहात को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0 देहात पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी-पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः20.08.2025 को उप-निरीक्षक भरतलाल पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0 देहात क्षेत्रान्तर्गत पिपरहिया अर्जुनपुर नहर पुलिया पास से नामजद अभियुक्त दीपू बिन्द उर्फ दीपनारायण बिन्द पुत्र बेचूलाल बिन्द निवासी हरिहरपुर बदौली थाना को0 देहात जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 69,89,351(2) बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय पेंशन अदालत की बैठक सम्पन्न

मीरजापुर 20 अगस्त 2025- मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार कक्ष में राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवानिवृत्तिक देयों से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण हेतु मण्डलीय पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 88 दावे सुने गये जिसमें 65 मामलों का सुनवाई स्थल पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष 23 प्रकरणों को 15 दिवस में निस्तारित किये जाने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, अपर निदेशक/संयोजक पेंशन अदालत गिरीश कुमार, मुख्य कोषाधिकारी अर्चना त्रिपाठी, वरिष्ठ कोषाधिकारी भदोही बृजेश सिंह एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी सोनभद्र इन्द्रभान सिंह और मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मीरजापुर डॉ सी0एल0 वर्मा व अन्य विभागों के अधिकारीगण के साथ पेंशनर्स संघ के पदाधिकारीगण तथा पेंशनर्स उपस्थित रहे।

कोलकाता मेट्रो का नया अध्यायः 9 लाख से अधिक यात्री करेंगे हर दिन सफर

भारत संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आधारभूत संरचना में युगांतरकारी बदलाव हुए हैं। ऐसा ही बदलाव कोलकाता मेट्रो में भी हुआ है जहां प्रतिदिन 9 लाख से अधिक यात्रियों के सफर के लिए रेलवे नेटवर्क को विस्तृत किया गया है। वस्तुतः भारत में मेट्रो सेवा की नींव रखने वाला शहर कोलकाता अब मेट्रो नेटवर्क के मामले में एक नया इतिहास रचने जा रहा है। अब हर दिन कोलकाता मेट्रो से करीब 9.15 लाख यात्री सफर कर सकेंगे। इस बदलाव की बुनियाद बनी है 3 मेट्रो सेक्शन की 366 नई मेट्रो ट्रेन सेवाएँ जो यात्रियों को तेज और नियमित सेवा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोलकाता मेट्रो की ग्रीन लाइन पर 2.45 किलोमीटर लंबी एस्प्लानेडसियालदह मेट्रो सेक्शन, येलो लाइन पर 6.77 किलोमीटर लंबी नोआपाड़ा जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेक्शन और ऑरेंज लाइन पर 4.4 किलोमीटर लंबी हेमंत मुखोपाध्यायबेलेघाटा मेट्रो सेक्शन का उद्घाटन करेंगे और तीनों ही लाइनों पर 3 मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

366 नई मेट्रो सेवाओं का सबसे बड़ा लाभ ग्रीन लाइन के यात्रियों को होगा। जिसपर सेवाओं की संख्या बढ़कर 186 हो गई है। साथ ही, ऑरेंज लाइन पर अब 60 सेवाएँ और येलो लाइन पर 120 सेवाएँ यात्रियों की राह आसान बनाएंगी। नई सेवाओं से अधिक ट्रेनों की उपलब्धता बढ़ेगी, इंतजार का समय घटेगा और भीड़-भाड़ से राहत मिलेगी।

ग्रीन लाइन एस्प्लानेड से सियालदह (2.45 किमी)। यह सेक्शन शहर के लिए सबसे बड़ी राहत लेकर आया है। अभी हावड़ा और सियालदह जैसे दो बड़े रेलवे टर्मिनलों के बीच पहुँचने में सड़क से 4045 मिनट तक लगते हैं। अब मेट्रो से यह सफर सिर्फ.11 मिनट में पूरा होगा। रोजाना लाखों यात्रियों के लिए यह समय बचत किसी वरदान से कम नहीं होगी।

दूसरी बड़ी उपलब्धि है येलो लाइन नोआपाड़ा से जय हिंद विमानबंदर (6.77 किमी)। अब एयरपोर्ट तक पहुँचने के लिए सड़क से यात्रा करने वालों को नया विकल्प मिलेगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री, एयरलाइन स्टाफ और एयरपोर्ट कर्मचारी सब तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव करेंगे। दमदम कैंटोनमेंट से इंटरचेंज सुविधा मिलने से पूरे शहर और प्रमुख रेलवे स्टेशनों तक सीधा कनेक्शन भी आसान हो जाएगा। एस्प्लानेड से एयरपोर्ट तक अब यह दूरी सिर्फ.30 मिनट में पूरी होगी।

तीसरी कड़ी है ऑरेंज लाइन हेमंत मुखोपाध्याय से बेलेघाटा (4.4 किमी)। यह विस्तार साइंस सिटी, बड़े अस्पतालों, स्कूलों और व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेगा। यात्रियों की संख्या यहाँ दोगुनी होने की उम्मीद है।

खास बात यह है कि बेलेघाटा से कवि सुभाष तक की यात्रा भी अब सिर्फ.32 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे दक्षिण कोलकाता और पूर्वी कोलकाता के बीच सफर बेहद आसान हो जाएगा।

इन नई मेट्रो लाइनों से न सिर्फ. कोलकाता बल्कि उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के यात्रियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। जिस दूरी को तय करने में पहले घंटों लग जाते थे, अब वही सफर कुछ ही मिनटों में पूरा होगा। शहर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुँचना अब पहले से कहीं अधिक सहज और तेज हो जाएगा।

जिलाधिकारी ने तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का किया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अनुपस्थित पाये गये चिकित्सकों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

- निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेते हुए ओपीडी कक्ष में टोकन जनरेशन मशीन एवं प्रतीक्षा नम्बर डिस्प्ले मशीन को लगवाये जाने के दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने बिना परामर्श के स्टेरॉयड बेचने वाले मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी करने एवं ऐसे मेडिकल स्टोरों का लाइसेंस भी रद्द किए जाने के दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने मरीजों से बातचीत कर चिकित्सालय में मिल रहे इलाज के बारे में ली जानकारी, मरीजों ने व्यवस्था पर जताया संतोष

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का औचक निरीक्षण किया और वहां पर मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं चिकित्सालय की सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें डॉ0 आर0सी0 त्रिपाठी-सर्जन, डॉ0 अभिषेक मिश्रा-निश्चेतक, डॉ0 मनीषा अग्रवाल-दंत चिकित्सक, डॉ0 सैनी तिवारी-निश्चेतक, डॉ0 आर0एस0 ठाकुर-सर्जन, डॉ0 विमलेन्दु शेखर-चर्मरोग विशेषज्ञ, डॉ0 सुरेश सिंह-पैथालॉजिस्ट एवं डॉ0 मनीष कुमार मिश्रा-माइक्रो बायोलॉजिस्ट अनुपस्थित पाये गये, जिसपर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अनुपस्थित चिकित्सकों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। डॉ0 अभिषेक मिश्रा-निश्चेतक जनवरी-2025 से बिना किसी पूर्व सूचना के लगातार अनुपस्थित चल रहे है, के विरूद्ध कार्रवाई हेतु शासन को पत्रालेख प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान डॉ0 आर0एस0 ठाकुर-सर्जन अपने ओपीडी कक्ष में कार्यरत पाये गये। जिलाधिकारी ने ओपीडी, रजिस्टेज्शन काउंटर, रिपोर्ट काउंटर, पेमेंट काउन्टर, आपरेशन वार्ड व महिला सर्जिकल वार्ड, सेमीप्राइवेट वार्ड, पीआईसीयू, एमआरआई कक्ष, डिजिटल एक्सरे कक्ष का निरीक्षण किया व अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा। जिलाधिकारी ओपीडी रजिस्टेज्शन काउंटर पर पहुंचकर आज ओपीडी में कितने रजिस्टेज्शन हुए है, की जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि आज सुबह 09:20 बजे तक 456 रजिस्टेज्शन हुए है, प्रायः लगभग 2000 से 2200 तक प्रतिदिन ओपीडी होती है। उन्होंने ओपीडी के बाहर इंतजार कर रहे लोगो एवं आभा आईडी काउंटर पर लोगो की बैठने की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने विशेषकर प्रत्येक ओपीडी कक्ष में टोकन जनरेशन मशीन एवं प्रतीक्षा नम्बर डिस्प्ले मशीन को लगवाये जाने हेतु कहा है। जिलाधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षिका से अस्पताल परिसर में आने वाले बच्चों के लिए खाली स्थान पर उनके खेलने की व्यवस्था एवं खिलौने रखे जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है।

ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री को सुरक्षित लौटाया गया छूटा सामान

भारत संवाद

दिनांक 18.08.2025 को हेल्पलाइन प्रयागराज पर सूचना प्राप्त हुई, जिसमें गाड़ी संख्या 12394 के अ-2 कोच, सीट नं 17 पर यात्री का सामान छूट जाने की सूचना दर्ज कराई गई थी। सूचना प्राप्त होते ही रेलवे सुरक्षा बल ने तत्परता दिखाते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की दिनांक 19.08.2025 को गाड़ी मिजार्पुर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 01:53 बजे पहुंची, जहां प्लेटफार्म संख्या 1 पर हेड कांस्टेबल हरिद्वार यादव द्वारा उक्त सामान (एक ट्रॉली बैग, एक हैंडबैग एवं एक गत्ता) को सुरक्षित उतारकर पोस्ट पर जमा कराया गया। तत्पश्चात लगभग 05:30 बजे सामान स्वामी राहुल सिंह (पुत्र करणी सिंह, निवासी जसरसर, थाना झ्र राज नदेसर, जिला चुरु, राजस्थान) रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मिजार्पुर पहुंचे। सत्यापन हेतु यात्री द्वारा यात्रा टिकट (पीएनआर संख्या 2440246504, नई दिल्ली से आरा, कोच अ-2/बर्थ 17) प्रस्तुत किया गया। यात्री ने बताया कि वे कानपुर स्टेशन पर पानी लेने गए थे और वापस ट्रेन में चढ नहीं पाए जिस कारण से ट्रेन में सामान छूट गया सामान में एक (कीमत 86,000/-), कपड़े एवं अन्य सामग्री सहित लगभग 90,000/- मूल्य के सामान की पुष्टि हुई। सहायक उप निरीक्षक की निगरानी में विधिवत सुपुर्दगी-नामा एवं फोटोग्राफी की प्रक्रिया पूरी कर सामान यात्री को सुरक्षित सौंपा गया। यात्री ने अपना सामान पाकर खुशी व्यक्त की एवं रेलवे सुरक्षा बल, मिजार्पुर के प्रति आभार प्रकट किया।

जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति की समीक्षा की

अतिरिक्त लोड बढ़ाने के नाम पर उपभोक्ताओं से न लिया जाये अतिरिक्त पैसा

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए समय से ऋण उपलब्ध कराये जाने के दिए निर्देश
- पीएम सूर्य घर योजना का यूपीनेडा को आमजन के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में पीएम सूर्य घर योजना के प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने समीक्षा के दौरान पीएम सूर्य घर योजना से सम्बंधित वेण्डरों से बात करते हुए योजना से जुड़े हुए कार्यों के प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अतिरिक्त लोड बढ़ाने के नाम उपभोक्ताओं से अतिरिक्त पैसा न लिया जाये, निर्धारित प्रोसेसिंग फीस को उपभोक्ताओं के बिल में एड कर लिया जाये। जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने पर सभी सम्बंधित अधिशाषी अभियंताओं को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए आवेदनकर्ता को समय से ऋण उपलब्ध कराने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शौर्य ऊर्जा को बढ़ावा देना और इस योजना के तहत 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा प्रदान कराना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत घरों में बिजली की आपूर्ति के लिए आवासीय घरों की छतों पर सौर पैनल लगाये जाने को सरकार बढ़ावा दे रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में प्रगति लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण किया जाये। उन्होंने यूपीनेडा को इस योजना का आमजन के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार कराकर योजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी कार्यालयों एवं भवनों में भी सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगाये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि आवेदन के पश्चात आवेदनकताओं को निर्धारित समयसीमा में सूर्यघर योजना के लाभ से आच्छादित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत नाबालिग बालक को सुरक्षित चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द किया गया

भारत संवाद

दिनांक 19 अगस्त 2025 को ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नं 03 पर गाड़ी संख्या 15483 की चेकिंग के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के कांस्टेबल कपिल देव पांडेय को एक नाबालिग बालक रोते हुए मिला। उक्त बालक की पहचान मेहरबान पुत्र मंसूर, उम्र लगभग 13 वर्ष, निवासी झ्र मसौढ़ी, थाना गौरा, जिला खगड़िया (बिहार) के रूप में हुई। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि वह अपनी मां के साथ नानी के घर से अपने घर लौट रहा था, किंतु यात्रा के दौरान उसकी मां ट्रेन से कहीं उतर गई।बालक को सुरक्षित रूप से रेलवे पोस्ट पर लाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। तत्पश्चात उप निरीक्षक ओमप्रकाश द्वारा बच्चे को चाइल्ड हेल्पलाइन की सुपरवाइजर (मो. नं. 7985192744) के सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि बालक की सुरक्षा एवं भलाई प्राथमिकता के साथ की जाए।

भारत का संकल्प आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित पृथ्वी दें

भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस, प्रदूषण मुक्त विश्व की ओर भारत का संकल्प

प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहयोग : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश, । आज पूरा देश भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस मना रहा है। यह दिन भारत को हरित ऊर्जा के महत्व का स्मरण कराता है, साथ ही पूरे विश्व को यह सशक्त संदेश देता है कि यदि हमें प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य चाहिए तो अक्षय ऊर्जा ही एकमात्र मार्ग है। भारत की संस्कृति सदैव प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की रही है। वैदिक ऋचाओं में सूर्य, वायु, जल और अग्नि की आराधना इसीलिए की गई क्योंकि यही तत्व हमारे जीवन और ऊर्जा के शाश्वत स्रोत हैं। आज वही प्राचीन दृष्टि आधुनिक विज्ञान के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा के रूप में हमारे सामने खड़ी है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत और बायोमास, ये सभी न केवल असीमित हैं, बल्कि पर्यावरण को हानि पहुँचाए बिना ऊर्जा का सतत प्रवाह सुनिश्चित करते हैं।आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल जलवायु परिवर्तन नहीं, बल्कि वह अंधा उपभोग और स्वार्थ है जिसने वनों को काटा, नदियों को प्रदूषित किया और वायुमंडल को जहर से भर दिया। औद्योगिक क्रांति से लेकर अब तक हमने जितना प्राकृतिक ईंधन जलाया है, उसने वातावरण में इतना कार्बन और विषैली गैसें भर दी हैं कि उसके दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। हिमनद पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, अनेकों लोग वायु प्रदूषण के कारण असमय मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं और जल व भूमि का संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।ऐसे समय में अक्षय ऊर्जा एक आशा की किरण बनकर सामने आई है। सूर्य हर दिन इतना प्रकाश देता है कि पूरी पृथ्वी की ऊर्जा आवश्यकताओं को कई गुना पूरा किया जा सकता है। हवा का प्रवाह मानवता को स्वच्छ ऊर्जा दे सकता है और प्रदूषण को घटा सकता है। नदियों का प्रवाह केवल जीवन ही नहीं देता, बल्कि सतत ऊर्जा का स्रोत भी है। कृषि और जैविक अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हुए पर्यावरण की रक्षा का भी मार्ग है। यह ऊर्जा केवल तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व की रक्षा का मार्ग है। भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। देशभर में सौर पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में सौर पंप किसानों को आत्मनिर्भर बना रहे हैं, छतों पर सोलर पैनल आमजन को ऊर्जा उत्पादक बना रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रसार से प्रदूषण घटाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। यह प्रयास भारत को आत्मनिर्भर बना रहा हैं, साथ ही पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा भी बन रहे हैं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज का दिन भारत के साथ ही पूरे विश्व के लिए है। भारत का संदेश स्पष्ट है ह्लआओ, हम सब मिलकर हमाारी इस धरती को बचाएँ। स्वार्थ, उपभोग और प्रदूषण की संस्कृति छोड़ें। प्रकृति को पूजें, अक्षय ऊर्जा अपनाएँ और भविष्य को उज्ज्वल बनाएँ।ह्व प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहयोग चाहिए और यह सहयोग तभी संभव है जब विश्व अक्षय ऊर्जा को अपना धर्म, अपना कर्तव्य और अपना जीवन मंत्र बनाए।इस अवसर पर हमें तीन संकल्प लेने होंगे स्वच्छ ऊर्जा का अधिकतम उपयोग करें, प्रदूषणकारी जीवन शैली को त्यागें और प्रकृति का सम्मान करते हुए वृक्षारोपण, जल संरक्षण और संतुलित उपभोग को अपनाएँ। यही संकल्प हमें प्रदूषण मुक्त विश्व की ओर ले जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025

भारत संवाद

पिछले 11 वर्षों में, डिजिटल तकनीकों ने हमारे जीवन में व्यापक बदलाव लाए हैं। डिजिटल इंडिया, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, यूपीआई भुगतान प्रणाली, 5g कनेक्टिविटी, सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र आदि ने हमारे देश को एक नई पहचान दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर क्षेत्र में तकनीक के उपयोग के प्रयासों से व्यापक लाभ हुआ है। साथ ही, समाज में नए जोखिम भी उभरे हैं।

इसलिए, यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि समाज को संभावित नुकसानों से बचाया जाए।

इसी विचार प्रक्रिया के साथ, ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने और विनियमित करने हेतु एक विधेयक लाया गया है।

यह विधेयक ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहित करता है। यह हानिकारक ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा, ऑनलाइन मनी गेम्स के विज्ञापनों और ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा से संबंधित वित्तीय लेनदेन पर प्रतिबंध लगाता है।

ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए, युवा मामले और खेल मंत्रालय इस उभरते क्षेत्र के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगा।

ऑनलाइन सोशल गेम इकोसिस्टम के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (टएकळ) और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (टकइ) उन ऑनलाइन गेम्स का समर्थन करेंगे जो हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

ऑनलाइन मनी गेमिंग के लिए, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं, ऐसी सेवाओं के विज्ञापन और ऐसी सेवाओं से संबंधित वित्तीय लेनदेन पर प्रतिबंध लगाकर, लत से होने वाले नुकसान, वित्तीय नुकसान और चरम मामलों में प्रभावित व्यक्तियों द्वारा आत्महत्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

ऑनलाइन मनी गेम्स हमारे समाज के लिए भी खतरा पैदा करते हैं क्योंकि कभी-कभी इनका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाली गतिविधियों के लिए किया जाता है।

विधेयक निम्नलिखित गतिविधियों को आपराधिक बनाता है:

- ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाएँ प्रदान करना;
- ऑनलाइन मनी गेमिंग का विज्ञापन; और
- ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं के लिए धन का हस्तांतरण।

यह विधेयक प्रौद्योगिकी के सकारात्मक पहलुओं को प्रोत्साहित करेगा और इसका उद्देश्य समाज को ऑनलाइन मनी गेम्स के हानिकारक प्रभावों से बचाना है।

भोजन पाक कला प्रायोगिक कक्षा में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड कॉमर्स (आईबीएमसी) द्वारा संचालित बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने फूड प्रोडक्शन प्रायोगिक कक्षा में अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया।इस प्रायोगिक कक्षा ने विद्यार्थियों को कौशल के साथ रचनात्मक सोच एवं पेशेवर तैयारी को मजबूत किया।शेफ रमानंद मिश्रा व शेफ राहुल देव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने दो प्रकार की इटालियन पास्ता डिश तैयार कीं। जिनका स्वाद, प्रस्तुति व सुगंध सभी को बेहद प्रभावित किया।व्यंजनों का स्वाद संतुलित और प्रामाणिक रहा, वहीं आकर्षक और रचनात्मक प्रस्तुति ने उनकी मेहनत को चार चांद लगा दिए। भोजन परीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को रचनात्मक सुझाव दिए और उनकी मेहनत व सीखने की ललक की सराहना की गई।कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने बताया कि यह विद्यार्थियों की लगन, मार्गदर्शकों के

कुशल निर्देशन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रमाण है।परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा व डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों का यह प्रदर्शन भविष्य की व्यावसायिक यात्रा के लिए एक मजबूत आधार है।

कमिश्नर एवं डीएम-एसएसपी ने की तालानगरी में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की ब्रीफिंग

अधिकारी वीवीआईपी ड्यूटी में सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करें

कार्यक्रम की सफलता के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): गुरुवार को तालानगरी स्थित स्थल पर प्रदेश के यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता स्व0 श्री कल्याण सिंह ह्यबाबूजीह्न की चतुर्थ पुण्यतिथि एवं तृतीय हिन्दू गौरव दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश एवं केंद्र सरकार के कई मंत्रीगण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफल बनाने के लिए कमिश्नर संगीता सिंह, जिला मजिस्ट्रेट

संजीव रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने कार्यक्रम स्थल पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों के साथ ब्रीफिंग की। मण्डलायुक्त कहा कि पुलिस के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों को भी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जनसभा के दौरान अच्छे से चेकिंग फ्रेस्किंग के उपरांत ही पांडाल में प्रवेश दिया जाए।मण्डलायुक्त ने वीवीआईपी ड्यूटी पर तैनात रहने वाले पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करें। सभी ऑफिसर्स ब्रीफिंग के उपरांत अपने-अपने ड्यूटी स्थल देख लें। डीएम ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी कार्यक्रम लगभग सवा घण्टे का है।उन्होंने कहा कि अधिकतर अधिकारियों कर्मचारियों ने वीवीआईपी ड्यूटियां की रही होंगी, परंतु हर दिन-हर कार्यक्रम की अपनी अलग चुनौतियां होती हैं। प्रत्येक कार्यक्रम से कुछ ना कुछ नया सबक अवश्य मिलता है।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट एवं अधिकारी अपने-अपने दायित्व क्षेत्र में पूर्ण सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करें। यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हुए आमजन की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। वीआईपी मूवमेंट एवं कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। भीड़ नियंत्रण, आपात स्थिति एवं त्वरित संचार प्रणाली की स्पष्ट रूपरेखा प्रत्येक अधिकारी के पास हो।

फास्ट ट्रैक

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक एवं मा0 मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला हिन्दू गौरव दिवस में करेंगे प्रतिभाग

अलीगढ़ 2025 (सू0वि0): पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय स्व0 कल्याण सिंह बाबूजीह्न की चतुर्थ पुण्यतिथि और तृतीय हिन्दू गौरव दिवस पर 21 अगस्त को तालानगरी में भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य पूर्वान्ह 11:50 बजे धनीपुर एयरपोर्ट आएंगे, अपरान्ह 12:10 बजे पुण्यतिथि कार्यक्रम में प्रतिभाग कर 12:40 बजे प्रस्थान करेंगे और अपरान्ह 12:50 से सर्किट हाउस में मा0 जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ भेंट वार्ता करने के उपरांत अपरान्ह 01:30 बजे धनीपुर हवाई अड्डे से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक दोपहर 12 बजे धनीपुर एयरपोर्ट आएंगे और अपरान्ह 12:20 बजे पुण्यतिथि कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के उपरांत अपरान्ह 01:05 बजे धनीपुर हवाई अड्डे से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यमंत्री महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उत्तर प्रदेश श्रीमती प्रतिभा शुक्ला पूर्वान्ह 11 तालानगरी स्थित कार्यक्रम स्थल में प्रतिभाग करने के उपरांत अपरान्ह 02 बजे कानपुर नगर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

मेडिकल कालेज में सुविधाओं की मांग को लेकर सीएम से मिले डा.पंकज खन्ना

सहारनपुर। संसदीय कार्य व औद्योगिक विकास मंत्री जसवन्त सैनी के नेतृत्व में डॉ. पंकज खन्ना जिलाध्यक्ष मेडिकल प्रकोष्ठ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की व सहारनपुर क्षेत्र की जन समस्याओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। मंत्री जसवन्त सैनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष राजकीय मेडिकल कालेज में सुविधा हेतू रेडियो थैरेपी यूनिट, कीमो थैरेपी यूनिट, ब्रेस्ट कैंसर यूनिट, कैथ लैब (हार्ट यूनिट), डायलेसिस यूनिट की मांग रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि एक जिला एक मेडिकल योजना के तहत एम.बी.बी.एस. सीट को बढ़ाया गया है जिसमें 353 पीजी पोस्ट ग्रेजुएट, एमबीबीएस की 1500, सुपर स्पेशलिटी की 120 सीटों को बढाकर 305 सीटे कर दी गयी हैं। डॉ0 पंकज खन्ना ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में संगठन के द्वारा सेवा ही संकल्प के तहत आई.एम.ए., आई.डी0ए0, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक की जनपद में डाक्टरों की संख्या व उनके द्वारा दी गयी सेवा के बारे में विस्तृत जानकारी दी व मुख्यमंत्री एवं राज्यमंत्री का आभार प्रकट किया। संसदीय कार्य व औद्योगिक विकास मंत्री जसवन्त सैनी व डॉक्टरपंकज खन्ना ने काष्ठ (हस्तशिल्प) से बनी स्मृति चिन्ह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया।

दो शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार करकब्जे से 15-15 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है।एसएसपी के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक कपिल देव के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा चैकिग व गस्त को दौरान दो शातिर नशा तस्कर अभियुक्तगण 1. शोकीन पुत्र शमीम निवासी नई वस्ती हलालपुर थाना कोतवाली देहात सहारनपुर व शादाब पुत्र नौशाद निवासी मो. लईयागढ थाना कुतुवशेर जिला सहारनपुर को अभिनव इण्टर कालेज बालपुर के पास निर्माणधीन बाईपास के पास से गिरफ्तार किया गया।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर, कब्जे से चोरी के 7550 रुपए व एक चोरी का इनवर्टर बरामद किया है।गत 9 अगस्त को वादी रोहित कुमार पुत्र स्व. सुभाषचन्द निवासी मौहल्ला मनिहारान कस्बा बेहट सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात चोर द्वारा दिनांक 8 व 9 अगस्त की रात्रि में वादी की दुकान के काउंटर के गल्ले से नकदी चोरी कर लेने की सूचना के सम्बन्ध में थाना बेहट पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

पहले दिन 134 लोगों ने किया स्वतः कर निर्धारण

शहर में तीन स्थानों पर लगाए गए स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा आज शहर के तीन स्थानों पर स्वतः कर कर निर्धारण व समाधान शिविर आयोजित किये गए। क्षेत्रीय पार्षदों एवं व्यापारियों के सहयोग से उक्त शिविरो में 134 लोगों द्वारा स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र भरकर जमा कराए गए। जिनके आधार पर 41 करदाताओं को साथ के साथ उनके विवरण के आधार पर बिल निर्गत कर दिये गए। तीनों शिविरों में साढे.23 हजार रुपये टैक्स के रुप में जमा भी किये गए। अनेक करदाता व्यापारियों ने कहा कि उनके भवन का जीआईएस सर्वे ठीक है और वह अपना बिल जमा कराना चाहते हैं।जीआईएस सर्वे को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए व्यापारियों एवं पार्षदों से परामर्श के बाद महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि ने निर्णय लिया था कि करदाताओं से स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र भरवाया जायेगा और निगम द्वारा उसे सही मानते हुए उसके आधार पर बिल भेजे जायेंगे।इनका सत्यापन बाद में कराया जायेगा। महापौर एवं नगरायुक्त के निर्देश पर प्रथम चरण में शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में शिविर

लगाकर स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र भरवाने का कार्य आज से शुरू किया गया है, जो 22 अगस्त तक चलेगा। आज शहर के वार्ड 23 व 44 के लिए जुबली पार्क में, वार्ड 40 व 07 के लिए अमृत सिनेमा के निकट तथा वार्ड 58 के लिए जैन इण्टर कॉलेज में शिविर लगाये गए। अमृत सिनेमा के निकट कर निर्धारण अधिकारी श्रुति माहेश्वरी के नेतृत्व में लगाये गए शिविर में हाउस टैक्स टीम ने 19 करदाताओं ने स्वतः प्रपत्र जमा कराये। पांच लोगों को साथ के साथ उनके विवरण के आधार पर बिल दे दिए गए। क्षेत्रीय पार्षद राजेंद्र कोहली का शिविर में सहयोग रहा। वार्ड 58 के लिए जैन इण्टर कॉलेज मे कर अधीक्षक सुधीर शर्मा के नेतृत्व में शिविर लगाया गया। 18 लोगों ने स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र जमा किये। सभी 18 लोगों को साथ के साथ बिल दे दिए गए। शिविर में क्षेत्रीय पार्षद अनुज जैन व व्यापारी नेता रमेश अरोड़ा का सहयोग रहा। शिविर में सात हजार आठ सौ रुपये जमा भी किये गए। जुबली पार्क शिविर में कर अधीक्षक सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में 97 लोगों से स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र भरवाये गए। 18 लोगों को साथ के साथ बिल भी निर्गत किये गए। यहां करदाताओं ने साढे.15 हजार रुपये ऑन लाईन जमा भी कराए। शिविर में क्षेत्रीय पार्षद मुकेश गक्खड़ के अलावा व्यापारी नेता राजकुमार मक्कड़, विजय चावला व रवि जुनेजा का सहयोग रहा। व्यापारियों ने निगम की स्वतः कर निर्धारण की पहल को सराहते हुए कहा कि इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी और समस्याओं का समाधान होगा। कर निर्धारण अधिकारी श्रुति माहेश्वरी ने बताया कि तीनों शिविरों में 134 करदाताओं द्वारा भरे गए स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र के आधार पर 41 करदाताओं को साथ के साथ बिल बनाकर दे दिए गए हैं। शेष करदाताओं को उनके विवरण के आधार पर बिल बनाकर देने की प्रक्रिया की जा रही है।

पुलिस पर फायरिंग करने वाले 5 दबोचे

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस द्वारा बाद पुलिस मुठभेड़ फायरिंग की घटना में वांछित पांच अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से एक पिस्टल .32 बोर एक जिंदा, एक खोखा कारतूस .32 बोर व 03 तमंचा 315 बोर, 03 जिंदा 03 खोखा कारतूस 315 बोर एवं 01 तमंचा .32 बोर, एक जिन्दा एक खोखा कारतूस.32 बोर बरामद किया है।

18 एवं 19 अगस्त की रात्रि में दो पक्षो में गाली गलौच तथा वर्चस्व को लेकर दर्पण तिराहा शारदानगर के पुल के पास फायरिंग की घटना हुयी थी जिसमें वादी मौ. अयाज पुत्र मौ0 अहसान निवासी रायवाला निसार रोड हाजी अल्लाह रख्खा वाली गली थाना मंडी जनपद सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अन्नु उर्फ अनुराग, अनुभव, उमंग व अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वादी के भाई आमिर उर्फ आजम पुत्र मौ. अहसान की गर्दन में तीन गोली मारकर घायल कर देने की सूचना के सम्बन्ध में थाना कुतुबशेर पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया था तथा द्वितीय पक्ष वादी रामबीर पुत्र कटार सिंह निवासी राधा कृष्ण कालोनी थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अभियुक्तगण पीयूष, शाकिब अहमद, आदित्य खन्ना, हैदर उर्फ लक्की, आशिफ उर्फ साहिल व आमिर उर्फ आजम व अन्य अज्ञात द्वारा वादी के पुत्र अनुराग पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करने की सूचना पर थाना कुतुबशेर पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया था।

एसएसपी ने तत्काल उपरोक्त घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्तो गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु आदेश निर्देश दिये गये। आज मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि जिन दो पक्षों में

दर्पण तिराहा शारदानगर पुल के पास आपस में फायरिंग हुयी थी वह दोनो पक्ष अपने अपने वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दबनी कब्रिस्तान के पास में आमने सामने होने वाले है कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक एचएन सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कुतुबशेर पुलिस टीम जैसे ही दबनी कब्रिस्तान के पास पहुँची तो दोनो पक्षों के लोगो ने पुलिस को देखकर जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर कर दी और भागने लगे इस पर पुलिस टीम द्वारा अपना बचाव करते हुए घेराबन्दी करते हुए उपरोक्त मुकदमों में पांच. पीयूष पुत्र पवन निवासी पुराना कमेला थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर, शाकिब अहमद पुत्र अशलूब निवासी रायवाला थाना मंडी जनपद सहारनपुर, आसिफ उर्फ साहिल पुत्र अकबर निवासी भीमसैन वाली गली खलासी लाईन थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर तथा उमंग उर्फ मौलिक राणा पुत्र जितेन्द्र कुमार निवासी बनट थाना आदर्श मंडी जनपद शामली, अनुभव पुत्र राजीव कुमार निवासी सहसपुर जट थाना नकुड़ जनपद सहारनपुर को दबनी कब्रिस्तान के पास मानकमऊ को जाने वाले खडंजे से गिरफ्तार किया गया।

कमिश्नर सभागार में कुपोषित बच्चों को मिला पोषण किट

मेहंदी, व्यंजन प्रतियोगिता एवं खिलौना प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। बाल विकास परियोजना अलीगढ़ की ओर से मंगलवार को कमिश्नर सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की विभिन्न परियोजनाओं से आए कुपोषित बच्चों को कमिश्नर महोदया ने अपने हाथों से पोषण संवर्धन किट प्रदान की। बच्चों को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक भी किया गया इस मौके पर मेहंदी प्रतियोगिता, व्यंजन प्रतियोगिता और खिलौना प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में अतरौली ब्लॉक के पोषण वॉरियर्स को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कमिश्नर महोदया ने कहा कि पोषण अभियान एक जन-आंदोलन है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अलीगढ़, उद्योगपति

अलीगढ़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एडिशनल कमिश्नर, सभी ब्लॉकों के बाल विकास परियोजना अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, बच्चे और उनके अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बाल विकास विभाग की ओर से किया गया।

श्री गुग्घा माहड़ी सुधार सभा ने नगरायुक्त को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद

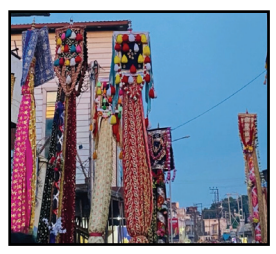

सहारनपुर। मांगो को लेकर श्री गुग्घा माहड़ी सुधार सभा के पदाधिकारियों ने अनिल प्रताप सैनी (चैधरी) के नेतृत्व में एक ज्ञापन नगर आयुक्त को सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनकी मांगों का त्वरित निस्तारण कराया जाये।

श्री गुग्घा माहड़ी सुधार सभा के चैधरी अनिल प्रताप सैनी ने बताया कि आज मांगो को लेकर एक ज्ञापन नगर आयुक्त को सौपकर अवगत

कराया गया कि मानकमाऊ स्थित म्हाड़ी स्थल पर जो सरोवर बनाय गया है उस सरोवर का पानी निकाला जाये। जब तक वंहा कोई अच्छी व्यवस्था न बन पाये। क्योंकि अभी म्हाड़ी स्थल पर डूबने से एक बच्चे की मौत हो चुकी है। आगे भविष्य मे एसी घटना ना होए सरोवर की दिवारे ऊंची कराकर वहा तारबाड कराई जाये। क्योकि असमाजिक तत्व वहां पर प्रतिमाओ पर चढ जाते है। जिससे हिन्दू लोगो की भावनाए आहत होती है। ज्ञापन मे मांग की गई कि उनकी मांगो पर ध्यान देकर उनका पूरा कराया जाये। नही तो कोई भी अप्रिय घटना होने पर उसकी जिम्मेदारी नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारियों की होगी।

नशीली गोलियों सहित नशा तस्कर दबोचा

सहारनपुर। थाना चिलकाना पुलिस द्वारा नशीली गोलियों की तस्करी करने वाला एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर, कब्जे से कुल 7800 अवैध नशीली गोलियां व नगदी 24,050 रुपए नकद बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर एंव क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसेन सैनी के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 20.08.2025 को मुखबिर की सूचना पर थाना चिलकाना पुलिस टीम द्वारा नशीली गोलियों की तस्करी करने वाला एक शातिर नशा तस्कर, चिन्हित पशु माफिया, हिस्ट्रीशीटर, अन्तर्राज्यीय गौकश, वारण्टी, अभियुक्त रिजवान पुत्र अख्तर निवासी ग्राम दुमझेडा थाना चिलकाना जिला सहारनपुर को जंगल ग्राम दुमझेडा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से कुल 7800 अवैध नशीली गोलिया व नशीली गोलियां बेचकर कमाये कुल 24,050 रुपए बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्त थाना चिलकाना का प्रचलित हिस्ट्रीशीटर व अन्तर्राज्यीय गौकश अपराधी भी है।

वारंटी पुलिस के हत्थे चढ़ा

सहारनपुर। थाना चिलकाना पुलिस ने एक मामले में वांछित चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध नियत्रण एवं वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एंव क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसेन सैनी के कुशल नेतृत्व में आज थाना चिलकाना पुलिस टीम द्वारा फरार चल रहे वारण्टी अभियुक्त पंकज पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ग्राम हरडाखेडी थाना चिलकाना जिला सहारनपुर सम्बन्धित वाद सं0-3409/23 धारा 147/353 भादवि नियत तिथि 01.10.25 को ग्राम हरडाखेडी से गिरफ्तार किया गया।

फसलों का बीमा कराने हेतु कृषक बंधुओं से की गई अपील

भारत संवाद

सहारनपुर। मण्डलायुक्त श्री अटल कुमार राय के निर्देशों के क्रम में संयुक्त कृषि निदेशक ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत प्राकृतिक आपदाओं यथा वर्षा, ओलावृष्टि, हवा के कारण फसलों में नुकसान होने की स्थिति में ऋणी कृषकों (किसान क्रेडिट कार्ड होल्डर) के द्वारा बीमा कराने की अंतिम तिथि 30 अगस्त, 2025 है।

जनपद-सहारनपुर में धान, मक्का, मूंगफली, जनपद-मुजफ्फरनगर एवं शामली में धान की अधिसूचित फसलें है, जिसमें 2 प्रतिशत प्रीमियम कृषकों से लिया जाता है। शेष राशि का भुगतान केन्द्र और राज्य सरकार करती है।

संयुक्त कृषि निदेशक ने कहा कि ऋणी कृषक बंधु को सम्बन्धित बैंक में जाकर इस आशय का पत्र देना होगा कि वह फसल बीमा कराना चाहते है या नहीं। ऐसा न करने पर कृषकों की फसलों का बीमा स्वैच्छिक रूप से कर दिया जायेगा। बीमा कराने से असफल बुवाई की स्थिति में, प्राकृतिक आपदा नुकसान की स्थिति मे, वास्तविक फसल कटाई की उपज में कमी आने पर कमी की भरपाई हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर क्षेत्रीय आधार पर क्षतिपूर्ति दी जायेगी तथा स्थानीय आपदा, खड़ी फसलों को ओलावृष्टि बादल फटना, आकाशीय बिजली, फसल कटाई उपरान्त आगामी 14 दिनों तक खेत में सूखने हेतु रखी गयी फसलों को ओलावृष्टि बेमौसम वर्षा से आपदा की स्थिति में बीमित कृषक द्वारा 72 घण्टे के अन्दर कृषि विभाग, सम्बन्धित बैंक, बीमित कम्पनी एवं टोल फ्री नम्बर 14447 पर सूचना देना अनिवार्य होगा, जिससे उनकी क्षति का आंकलन कर क्षतिपूर्ति बीमित कंपनी एग्रीकल्चर इंश्यारेंस कम्पनी द्वारा की जायेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./25-26/04 **दिनांक:** 18.08.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 10.09.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-06-25-26 | **अनुमानित मूल्य (रू.):** ₹ 67376885.24

कार्य का विवरण: किसी भी ट्रैक मशीन के चेसिस बोगी, सैटेलाइट, स्क्रीनिंग यूनिट, ट्रफ, केबिन और अन्य स्केल्टन आदि की प्रमुख मरम्मत/नवीनीकरण/निर्माण का कार्य।

बयाना राशि (रू.): ₹ 486900.00 | **निविदा प्रपत्र की लागत (रू.):** निल

कार्य समापन की अवधि: 24 माह | **निविदा खुलने की तिथि: 10.09.2025**

पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य: किसी भी ट्रैक मशीन से संबंधित कोई भी मरम्मत/ओवरहॉलिंग का कार्य

नोट:- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय **15:00 बजे** एवं **11:00 बजे** तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (6) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। (7) निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। (8) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (9) आन लाइन निविदा **दिनांक 10.09.2025 को 15.00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। **1480/25 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 25/38 **दिनांक:** 19.08.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38251511	मोडिफाईड इलास्टोमेरिक पैड (डिजाइन-ए)	103924 नग	16.09.2025
2	40253258	वाइन्डिग वायर	19629 कि.ग्रा.	09.09.2025
3	20253600	आई.ओ.एच. किट फॉर पेन्टोग्राफ	56 सेट	10.09.2025
4	90252359	पील्ड बार साईज 55 एमएम डायामीटर x 7930 एमएम लॉन्ग	87.21 एमटी	09.09.2025
5	90252362	पील्ड बार साईज 55 एमएम डायामीटर x 7425 एमएम लॉन्ग	48.23 एमटी	10.09.2025
6	38254271	हैण्ड ब्रेक केबल फॉर 10" बोगी माउण्टेड ब्रेक सिलेण्डर	1624 नग	12.09.2025
7	38252887	बॉडी साईड अरेंजमेंट	138 नग	22.09.2025
8	30252378	किट फॉर ब्रेक गियर बुशेज फॉर बीएमबीसी कोचेज	1256 सेट	30.09.2025
9	64255201	हाइड्रॉलिक मोटर, हाइड्रॉलिक वेन पम्प	20 नग	15.09.2025
10	40253015	टेप पोलिमाइड फिल्म बैक्ड यूनिफार्म माइका	182277 मीटर	28.08.2025
11	38251512	स्प्रिंग प्लैंक	2174 नग	28.08.2025
12	38252520	बोगी सेंटर पिवेट टॉप	6769 नग	16.09.2025

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। **1488/25 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।

संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939

(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

पुर्तगाल में है समुद्र की लहरों से भरने वाला नैसर्गिक पूल

पुर्तगाल के शहर पोतों में पाल्मेरिया समुद्री तट पर बना यह स्विमिंग पूल दुनिया के अन्य पूल से अनोखा और बिल्कुल भिन्न है। समुद्र में आने वाले टाइड के बाद यह पूल भर जाता है और फिर लोग इसका लुत्फ उठाते हैं। पुर्तगाल के वास्तुविद अल्यारो सिजा ने 1959 से 1973 के बीच यह पूल तैयार किया था। दरअसल तस्वीर में दो पूल दिख रहे हैं, बड़ा पूल वयस्कों के लिए है, तो एक छोटा पूल बच्चों के लिए भी है। यह पूल पुर्तगाल के नेशनल लैंडमार्क के रूप भी देखे जाते हैं।

गुजरात के वो गांव जहां दूल्हा अपनी ही शादी में नहीं जाता

भारत के घरों में अगर लड़के की शादी है तो दूल्हे से ज़्यादा तो उसके घरवाले उत्सुक होते हैं. दूल्हे की बारात लेकर जाने का मतलब है कि वो कही के तुर्रमख़ान हैं और लड़की वालों को उनके कहे अनुसार ही चलना पड़ेगा. घरवाले बारात के लिए गाजे-बाजे, कपड़े, घोड़ी, गाड़ी और न जाने क्या-क्या तैयारियां करते हैं इतना ही नहीं हर चीज़ बेस्ट से बेस्ट होनी चाहिए फिर बड़े ही शान-ओ-शौक़त से दूल्हा अपनी दुल्हन को ब्याहने निकलता है. बारात में डांस होता है मस्ती होती है. मगर गुजरात के कुछ गांव में इसके बिल्कुल विपरीत होता है यहां दूल्हा अपनी ही शादी में नहीं जाता है. अब आप सोच रहे होंगे अगर दूल्हा नहीं जाता है तो शादी कैसे होती है? और इतना अजीबो-ग़रीब रीति-रिवाज़ आख़िर मनाया ही क्यों जाता है? ऐसा गुजरात के 3 आदिवासी गांवों में होता है रिपोर्ट्स के अनुसार सुरखेड़ा, सानदा और अंबल गांवों के ग्राम देवता कुंवारे हैं. इसलिए दूल्हा अपनी शादी में न जाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करता है. कहते हैं कि, जो दूल्हे अपनी बारात में नहीं जाते वो सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करते हैं. दूल्हे की जगह अपनी भाभी को लेने दूल्हे की बहन जाती है और उसे सिंदूर भरकर लेकर आती है दूल्हा घर पर ही शेरवानी-साफा पहनकर अपनी मां के साथ दुल्हन का घर पर ही इंतज़ार करता है. अगर दूल्हे की बहन नहीं होती है तो परिवार की कोई भी कुंवारी लड़की इस रीति-रिवाज़ को पूरा करती है. सिंदूर भरने के अलावा, शादी के पवित्र फेरों के भी बहन के द्वारा ही पूरा किया जाता है. स्थानीय लोगों का मानना है कि, जब-जब इस परंपरा को नहीं निभाया गया है तब-तब गांव और लोगों के साथ बुरा ही हुआ है जैसे, शादी का टूटना या फिर वैवाहिक जीवन में खुशियां न होना.

भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन सिंहाबाद जहां से नहीं गुजरती एक भी ट्रेन

एक जगह से दूसरी जगह जाना हो और दूरी ज़्यादा हो तो आप लोग ट्रेन या हवाई जहाज़ का रास्ता चुनते हैं. मगर ज़्यादातर लोग ट्रेन का क्योंकि ट्रेन हर किसी के बजट में फ़िट बैठती है. इस लिहाज़ से तो अभी तक आप सब न जाने कितने रेलवे स्टेशन घूम चुके होंगे. ट्रेन से यात्रा के दौरान कभी दिमाग में आया कि आखिर कहीं कोई रेलवे स्टेशन होगा, जिसे आखिरी कहा जा सके, जैसे दुनिया का भी आखिरी छोर है तो क्या रेलवे स्टेशन भी आखिरी होगा.

आपके मन का सवाल जायज़ है और भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन भी है, जिसमें से एक तो बिहार के अररिया ज़िले में एक जगह है जोगबनी, जिसे भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन माना जाता है. यहां से नेपाल पैदल जाया जा सकता है. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में स्थित सिंहाबाद रेलवे स्टेशन को भी भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन माना जाता है. यहां पर हर चीज अंग्रेजों के जमाने की है. भारत का ये आखिरी रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के मालदा ज़िले के हबीबपुर इलाक़े में स्थित है. इस स्टेशन को अंग्रेज़ों ने जैसा छोड़ा था ये आज भी वैसा ही है, इसमें कोई बदलाव नहीं किए गए हैं. ये बारत का आखिरी सीमांत स्टेशन है, जो बांग्लादेश की सीमा के काफी पास है. बांग्लादेश के पास होने के चलते यहां से पैदल भी जाया जा सकता है. भारत का बंटवारा होने के बाद इस स्टेशन के मेंटीनेंस का सारा काम जस का तस रोक दिया गया था. इसलिए यहां से कोई गाड़ी भी नहीं गुजरती थी, लेकिन 1978 में जब मालगाड़ियां चलना शुरू हुईं तो दोबारा से ट्रेन और हार्न की आवाज़ें आने लगीं. ये गाड़ियां पहले बांग्लादेश तक ही जाती थीं, लेकिन 2011 में पड़ोसी देश नेपाल तक भी जाने लगी. भले ही यहां से गाड़ियों का आवागमन शुरू हुआ हो, लेकिन इस स्टेशन के रूप-रंग में कोई सुधार नहीं हुआ है. ये आज भी वैसा ही है जैसा ब्रिटिशों के जमाने में था. इस स्टेशन का इस्तेमाल कोलकाता और ढाका के बीच ट्रेन कनेक्टिविटी के लिए किया जाता था. हालांकि, ये स्टेशन आज़ादी से पहले का है, इसलिए ढाका जाने के लिए महात्मा गांधी और सुभाष चंद बोस ने भी कई बार इस रास्ते का इस्तेमाल किया था. कभी यहां से दार्जिलिंग मेल जैसी ट्रेनें भी गुज़रती थीं, लेकिन अब यहां से सिर्फ मालगाड़ियां ही गुज़रती हैं. बता दें, इस स्टेशन पर आज भी पुराने ज़माने के हाथ के गियर वाले सिग्नल का इस्तेमाल होता है. साथ ही, यहां पर कोई ज़्यादा रेलवे कर्मचारी नहीं रखे जाते हैं. इतना ही नहीं, टिकट काउंटर तक बंद हो चुका है. ज़्यादा कर्मचारी इसलिए नहीं है क्योंकि जब मालगाड़ी आती है बस तभी सिग्नल देना होता है, जो रोहनपुर के रास्ते से बांग्लादेश जाती है.

आज भी नहीं बदला ये स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन की सबसे खास बात यह है कि आज भी यहां कुछ नहीं बदला है, यहां सबकुछ वैसे का वैसा है, जैसा कभी अंग्रेज छोड़कर इसे गए थे। चाहे वो यहां की सिग्रल हो या संचार या फिर कोई और उपकरण। भारत का ये एक ऐसा रेलवे स्टेशन है, जहां अब भी कार्डबोड के टिकट रखे हुए हैं, जो शायद ही अब आपको कहीं देखने को मिले। इतना ही नहीं, ट्रेन को सिग्नल देने के लिए आज भी हाथ के गियरों का इस्तेमाल किया जाता है। सबसे ज्यादा खास बात है यहां का टेलीफोन, जो बाबा आदम के जमाने का है, जैसा कि आप पुरानी फिल्मों में देखते आए हैं।

गांधी और बोस भी यहां से गुजर चुके हैं

यह स्टेशन आजादी के भी काफी पहले का है तो उस समय ये स्टेशन कोलकाता से ढाका तक जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस रूट से कई बार महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस ढाका जा चुके हैं। काफी समय पहले यहां से दार्जिलिंग मेल जैसी ट्रेनें भी गुजरा करती थीं, लेकिन अब सिर्फ यहां से मालगाडियां ही गुजरती हैं।

इस स्टेशन से सिर्फ दो ही पैसेंजर ट्रेन गुजरती हैं लेकिन रुकती नहीं

इस स्टेशन पर अब कोई पैसेंजर ट्रेन नहीं रुकती, जिसके चलते यहां का टिकट काउंटर बंद कर दिया गया है। लेकिन यहां केवल वही मालगाड़ी ही रूकती हैं, जिन्हें रोहनपुर के रास्ते बांग्लादेश जाना होता है। यहां रूककर ये गाडियां सिग्नल का इंतजार करती हैं। इस छोटे से स्टेशन सिर्फ दो ट्रेनें- मैत्री एक्सप्रेस और मैत्री एक्सप्रेस-1, गुजरती है। इसमें से मैत्री एक्सप्रेस साल 2008 में शुरू की गई थी, जो कोलकाता से ढाका के लिए चलती है और 375 किमी. का सफर तय करती है। वहीं, दूसरी ट्रेन मैत्री एक्सप्रेस-1 कोलकाता से बांग्लादेश के एक शहर खुलना तक जाती है। अगर यहां के लोगों की बात की जाए तो ये आज भी इस इंतजार में बैठे है कि कभी तो वो समय आएगा, जब उस स्टेशन पर ट्रेन रुकेगी और उन्हें इन ट्रेनों में चढ़ने का मौका मिलेगा।

दुनिया की रहस्यमयी जगहें, कहीं जाने पर है रोक, तो कहीं रात में आती हैं आवाजें

दुनिया में कई रहस्यमयी और अनोखी जगहे हैं। इन जगहों के बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल होता है। वैज्ञानिक भी कई रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठा पाए हैं। कई रहस्यमयी जगहों पर जाने पर रोक है। इन जगहों में कई एलियंस, भूतों और दूसरी वजहों से रहस्यमयी हैं। आज हम आपको कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

उलुरु, ऑस्ट्रेलिया

उलुरु (एयर्स रॉक) ऑस्ट्रेलिया आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। बलुआ पत्थर की एक चट्टान है, जो कछुए के ऊपरी खोल की तरह नजर आती है। बताया जाता है कि यहां पर आदिवासी रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पहाड़ी का दिन में कई बार रंग बदलता रहता है। दुनिया की इकलौती पहाड़ी है, जिसका का रंग बदलता रहता है। माना जाता है कि यह पहाड़ी 50 हजार साल पुरानी है। ऐसा क्यों होता है, इस रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है।

कलावंती दुर्ग, महाराष्ट्र

कलावंती दुर्ग को रहस्यमयी माना जाता है। प्रदेश के माथेरान और पनवेल के बीच यह दुर्ग स्थित है, जो बेहद डरावना है। इस दुर्ग की कई कहानियां हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस किले में नकारात्मकता का वास है, जिससे लोग यहां पर खींचे चले जाते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। सबसे डरावनी बात यह है कि इस खंडहर में आधी रात के बाद चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं।

रहस्यमयी शहर धनुषकोटि

भगवान राम ने रावण का वध करने और लंका पर विजय के बाद राज्य को विभीषण को सौंप दिया था। रावण के छोट भाई और लंका पर राज कर रहे विभीषण ने भगवान राम से निवेदन किया कि लंका तक आने वाले रामसेतु को तोड़ दीजिए। इसके बाद भगवान राम ने अपनी धनुष के एक छोर से सेतु को तोड़ दिया। इसके बाद से यह स्थान धनुषकोटि के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यह रहस्यमयी शहर तमिलनाडु के पूर्वी तट पर स्थित है। भगवान राम का धनुषकोटि से गहरा नाता है, तो वहीं यहां पर प्रेत आत्माओं के महसूस किए जाने का दावा किया जाता है। इसके पीछे की वजह साल 1964 में यहां पर आए भीषण चक्रवात को माना जाता है। तूफान के बाद यहां पर आने वाले लोगों ने महसूस किया कि यहां पर कुछ असामान्य है। लोगों के इन अनुभवों के बाद तमिलनाडु सरकार ने इस छोटे शहर को भूतिया शहर की सूची में डाल दिया और इसे रहने के लिए अयोग्य करार दे दिया। सरकार ने चेतावनी भी दी कि यहां पर दिन ढलने के बाद कोई नहीं जाए।

चीन का वाक्शी गांव, जहां हर एक शख्स है करोड़ों की संपत्ति का मालिक

जब हम किसी गांव की बात करते हैं, तो दिमाग़ में सबसे पहले खपड़ैल के बने कच्चे घर, कच्ची सड़कें, कच्चे मकान, चारों तरफ़ गाय और गोबर, तालाब, खेत, किसान और खेतों में खेलते बच्चे आते हैं. मगर चीन में एक ऐसा गांव है, जहां गांव जैसा कुछ नहीं है. इस गांव ने शहरों को पीछे छोड़ दिया है. यहां लोग लाखों कमाते हैं और इस गांव को दुनिया के सबसे अमीर गांव में शुमार किया जाता है. ये गांव चीन के जिआंगसू राज्य में स्थित वाक्शी गांव है, जिसे चीन का सबसे अमीर गांव माना जाता है. यहां के स्थानीय लोगों की लाइफ़स्टाइल शहरों में रहने वाले बड़े-बड़े रईसों के जैसी है या कहें कि उनसे भी ज़्यादा बेहतर है.

लग्ज़री सुविधाओं से भरपूर

चीन के इस अमीर गांव की सुविधाएं देखकर आप शहरों को भूल जाएंगे. इस गांव में 72 मंज़िला स्काईस्कैपर, हेलीकॉप्टर टेक्सिस, थीम पार्क और लग्ज़री विला हैं. इसके चलते इसे सुपर विलेज भी कहते हैं.

हर शख्स के बैंक में 1 करोड़ से ज़्यादा जमा है

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस गांव में 2,000 रजिस्टर्ड निवासी रहते हैं, जिनमें हर एक के पास 1 करोड़ 10 लाख रुपये से ज़्यादा है. यहां पर हर शख्स विला में रहता है, जो एक से ही बने हैं और लग्ज़री कारों से चलते हैं.

स्थानीय सचिव वू रेनाबो की मेहनत

कम्युनिस्ट पार्टी के स्थानीय सचिव वू रेनाबो ने इस गांव को यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की है. यहां पर स्टील और शिपिंग बड़ी कंपनियां हैं. तो वहीं, सड़कें लोगों को आकर्षित करती हैं. पहले ये गांव इतना अमीर नहीं था, लेकिन सचिव जी की लगन ने इसे इस मकाम पर पहुंचा दिया है.

कृषि प्रधान गांव है

ये गांव एक कृषि प्रधान गांव है, जिसे किसानों के एक प्रतिभाशाली आइडिया ने दुनिया के अमीर गांवों में शामिल कर दिया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये गांव 60 के दशक में बसा था और तभी से सभी लोग सामूहिक खेती करने लगे थे. 21वीं सदी की शुरुआत तक यहां 100 से अधिक कंपनियां हो गईं, जिनमें लोहा, इस्पात और तंबाकू कंपनियां शामिल हैं.

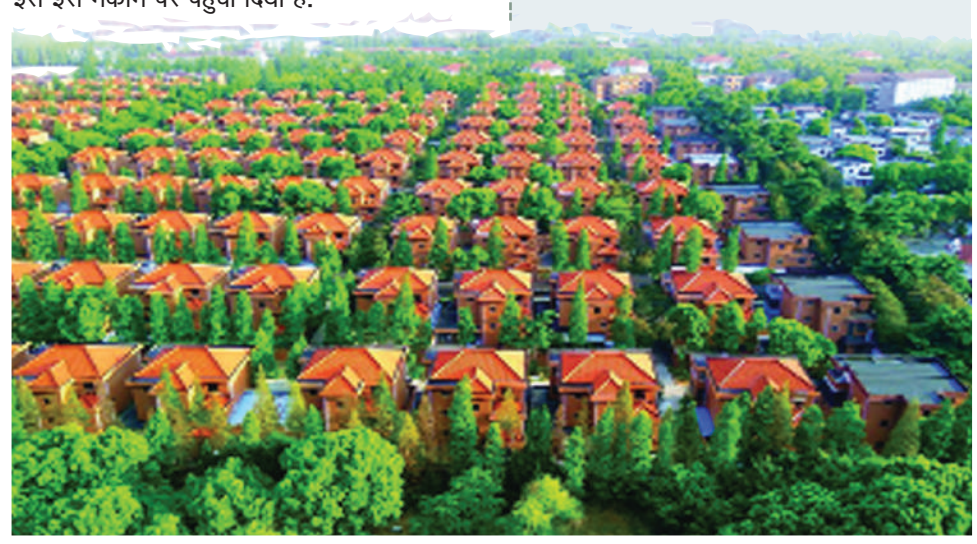

ट्रम्प ने वेनेज़ुएला के पास 3 वॉरशिप भेजे

ड्रग्स माफिया से निपटना मकसद, वेनेजुएला ने जवाब में 45 लाख लड़ाके तैनात किए, कहा- अमेरिका पागल हुआ

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी/कराकस, ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के पास तीन वॉरशिप तैनात भेजे है। वॉरशिप अगले कुछ घंटों में वेनेजुएला के तट के पास पहुंच जाएंगे। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को कहा था कि ये तैनाती ड्रग कार्टेल्स (ड्रग्स की तस्करी करने वाले ग्रुप्स) और इससे जुड़ी हिंसा को रोकने के लिए किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि वेनेजुएला की सरकार ड्रग तस्करी को बढ़ावा दे रही है। वहीं, वेनेजुएला ने अमेरिका के इन आरोपों को खारिज किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को वॉरशिप तैनाती के खिलाफ 45 लाख सैनिकों को तैनात करने का ऐलान किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, यूएसएस ग्रेवली, यूएसएस जेसन डनहम और यूएसएस सैम्पसन नाम के तीन एजिस गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर वॉरशिप

जल्द ही वेनेजुएला के तट पर पहुंचेंगे। तीनों वॉरशिप हवा, समुद्र, और पनडुब्बी हमलों से रक्षा करने में माहिर है। इनके साथ 4,000 सैनिक, ढ-8अ पोसाइडन विमान, और एक हमलावर पनडुब्बी भी शामिल है। यह अगले कुछ महीनों तक इस इलाके में ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान में शामिल रहेंगे। वेनेजुएला के विदेश मंत्री यवान गिल ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'अमेरिका का वेनेजुएला पर ड्रग तस्करी का आरोप उसकी विश्वसनीयता की कमी को दिखाता है।' गिल बोले, 'हम शांति और संप्रभुता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका की हर धमकी यह साबित करती है कि वह एक स्वतंत्र देश को झुका नहीं सकता।' ट्रम्प प्रशासन मादुरो को दुनिया के सबसे बड़े ड्रग तस्करों में से एक मानता है। अमेरिका ने 8 अगस्त को मादुरो की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि को दोगुना करके 435 करोड़ रूपए कर दिया। इससे पहले मादुरो पर 217 करोड़ रुपए का इनाम था। इसके अलावा उनसे जुड़े 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति भी जब्त की गई है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। मादुरो पर 2020 से न्यूयॉर्क की एक अदालत में नार्को-आतंकवाद और कोकेन तस्करी के आरोप में मामला दर्ज है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ड्रग माफिया को अमेरिका के लिए बड़ा खतरा बताया है। उनका कहना है कि ये गिरोह न केवल अमेरिका में फेंटानिल और दूसरी नशीली दवाओं की तस्करी कर रहे हैं, बल्कि कई शहरों में हिंसा को भी बढ़ावा दे रहे हैं। ट्रम्प ने मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से भी ड्रग माफिया के खिलाफ और सख्ती बरतने को कहा है। हालांकि, मेक्सिको ने साफ कर दिया है कि वह अपने देश की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं करेगा और अमेरिकी सेना के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेगा।

इजराइल ने गाजा-सिटी पर कब्जे की प्लानिंग को मंजूरी दी

60 हजार रिजर्व फोर्स को ड्यूटी पर बुलाया; कुल 1.30 लाख सैनिक तैनात करेगा

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को ड्यूटी पर बुलाने का आदेश दिया है। इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को ड्यूटी जॉइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितंबर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे। दूसरी खेप

नवंबर-दिसंबर में और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी। गाजा सिटी पर कब्जे के अभियान को गिदोनह्लस चेरीअट्स-बी नाम दिया गया है। इस दौरान पहले से ड्यूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा 30-40 दिन और बढ़ा दी जाएगी। इस कार्रवाई में 5 आर्मी डिवीजन शामिल रहेंगी। इसमें 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट शामिल होंगी। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नॉर्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा लेंगी। इजराइल यह कदम हमास पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है, क्योंकि गाजा में लगभग दो साल से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए एक नई शांति योजना पर काम हो रहा है। इस नई योजना में 60 दिन तक युद्ध रोकने, बंधकों को चरणबद्ध तरीके से छोड़ने, कुछ फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने और गाजा में खाने-पीने की चीजें पहुंचाने पर बात हो रही है। कतर ने कहा कि यह योजना पहले की एक योजना जैसी है, जिसे इजराइल ने मंजूर किया था। मिस्त्र ने कहा कि अब इजराइल को फैसला करना है। इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू हो चुकी है। अभी गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में ऑपरेशन चल रहा है। जैतून इलाके में नहल और 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड ऑपरेशन चला रही है। वहीं एक दूसरे इलाके, जबालिया में गिवाती ब्रिगेड कफ्र ऑपरेशन को अंजाम दे रही है। यह अभियान कई स्टेप में चलेगा। सबसे नागरिकों को गाजा सिटी खाली करने का नोटिस मिलेगा। इसके लिए अंतिम तारीख 7 अक्टूबर 2025 तय की गई है। इसके बाद सेना शहर को चारों तरफ से घेरकर अंदर बढ़ेगी। इजराइल ने गाजा सिटी से लगभग 10 लाख लोगों को साउथ गाजा भेजने का प्लान बनाया है।

मलेशिया में नमाज पढ़ना भूले तो 2 साल की जेल

60 हजार जुर्माना भी लगेगा, तेरेंगानू राज्य के शरिया कानून में हुआ बदलाव

एजेंसी

कुआलालंपुर, मलेशिया में जुमे की नमाज पढ़ना भूलने पर अब जेल हो सकती है। गार्डियन के मुताबिक तेरेंगानू राज्य में पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी (पीएएस) की सरकार ने सोमवार को कहा कि नमाज पढ़ना छोड़ने या भूलने पर 2 साल की जेल या 3000 रिंगिट (62 हजार रुपए) का जुमार्ना या फिर दोनों लगाया जा सकता है। तेरेंगानू में यह प्रावधान अगले सप्ताह से लागू हो जाएगा। इसे मलेशिया की पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी (पीएएस) ने लागू किया है। कानून लागू कराने की जिम्मेदारी जनता और धार्मिक लोगों की होगी। नमाजियों को साइनबोर्ड के जरिए नए नियम की याद दिलाई जाएगी। तेरेंगानू एक मुस्लिम बहुल राज्य है, जहां 12 लाख की आबादी में 97% से ज्यादा लोग मुस्लिम हैं। यहां पर पहले भी नमाज न पढ़ने को लेकर कड़े कानून थे। पहले के नियमों में केवल उन लोगों को सजा दी जाती थी, जो लगातार तीन शुक्रवार की नमाज में शामिल नहीं होते थे। उस सजा में अधिकतम 6 महीने की जेल या 1,000 रिंगिट (लगभग 20,606 रुपए) का जुमार्ना शामिल था। नए कानून ने सजा को और कड़ा कर दिया है। तेरेंगानु राज्य विधानसभा के सदस्य मुहम्मद खलील हादी ने कहा कि, 'यह

सजा हमारे धर्म को बचाने के अंतिम उपाय के रूप में लागू की जाएगी।' उन्होंने कहा, 'शुक्रवार की नमाज मुसलमानों के बीच एक धार्मिक प्रतीक है।' पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी (पीएएस) मलेशिया की मुस्लिम राजनीतिक पार्टी है, जिसका गठन 24 नवंबर 1951 को हुआ था। यह पार्टी इस्लामिक कानून (शरिया) को लागू करने और मलेशिया को इस्लामिक राज्य बनाने के प्रयासों लिए जानी जाती है। पीएएस खासकर मलय मुस्लिम समुदाय के हितों पर जोर देती और ग्रामीण और रूढ़िवादी इलाकों से इसे मजबूत समर्थन मिलता है। पीएएस की मलेशिया के 13 में से 8 राज्यों में सरकार है। पीएएस शरिया और हुदूद (इस्लामिक आपराधिक दंड) को देशभर में लागू करने की वकालत करता है, खासकर केलंतान और तेरेंगानु इलाके में। तेरेंगानु एकमात्र ऐसा मलेशियाई राज्य है जिसकी विधान सभा में कोई विपक्ष नहीं है, यहां 2022 में सभी 32 सीटों पर पीएएस को जीता था।

मलेशिया में शरिया कानून सबसे पहले 2001 में तेरेंगानू राज्य विधानसभा ने पारित किया था। बाद में इसे 2016 में संशोधित किया गया, जिसमें कई अपराधों के लिए सख्त सजाए जोड़ी गईं। इनमें रमजान में खाना-पीना, जुमे की नमाज छोड़ना और महिलाओं को सार्वजनिक स्थान पर परेशान करना शामिल था।

अमेरिका ने 6000 स्टूडेंट वीजा रद्द किए

इनमें से 4000 अपराध और आतंकवाद में शामिल; वर में 11 लाख विदेशी छात्र

एजेंसी

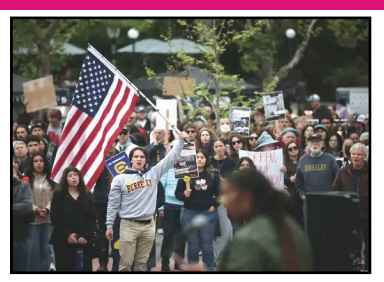

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका ने 6000 से ज्यादा इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के वीजा रद्द कर दिए हैं। जांच में पाया गया कि इनमें से कुछ ने कानून तोड़ा, कुछ वीजा एक्सपायर होने के बाद भी रुके हुए थे, जबकि कुछ गंभीर अपराधों में शामिल थे। अमेरिका में रद्द किए गए 6000 वीजा में से लगभग दो-तिहाई यानी करीब 4000 वीजा धारक अपराधों में शामिल थे। इनमें मारपीट, चोरी

और नशे में गाड़ी चलाना शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि कुछ मामले आतंकवाद से भी जुड़े थे। 2023-24 में अमेरिकी कॉलेजों में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ रहे थे। सरकार को चिंता है कि कुछ लोग एजुकेशन वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से वीजा नियमों की जांच को और सख्त किया जा रहा है। अमेरिका ने 200 से 300 स्टूडेंट वीजा आतंकवाद से जुड़े मामलों की वजह से रद्द किए हैं। इन वीजा को इमिग्रेशन और नेशनैलिटी एक्ट की उस धारा के तहत रद्द किया गया, जो आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़ी है। इन मामलों की डिटेल जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं में न सिर्फ अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन किया गया, बल्कि कॉलेज कैंपस और आम लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया गया। अमेरिकी सरकार इंटरनेशनल छात्रों को वीजा देने की प्रोसेस को लगातार सख्त करती जा रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कुछ दिन पहले ही 2 सितंबर से वीजा की ड्रॉप बॉक्स सुविधा यानी इंटरव्यू वेवर प्रोग्राम (आईडब्ल्यूपी) को बंद करने की घोषणा की है।

अखिलेश के समय आत्महत्या को मजबूर होते थे किसान, 86 लाख किसानों का योगी सरकार ने किया कर्जमाफ : कृषि मंत्री

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है।

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है। उनके शासनकाल में किसान न तो समय से बोआई कर पाते थे और न ही उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की सुविधा मिलती थी। उस दौर में कर्ज में डूबे 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये योगी सरकार को माफ करने पड़े। यदि सपा सरकार इतनी ही किसान हितैषी थी तो किसानों को आत्महत्या क्यों करनी पड़ी। कृषि मंत्री ने साफ कहा कि प्रदेश में खाद और यूरिया की कोई कमी नहीं है। दिक्कत केवल जमाखोरी, कालाबाजारी और तस्करी करने वाले तत्व पैदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 1196 फुटकर विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। 132 थोक विक्रेताओं को नोटिस, 13 को निलंबन और 4 का लाइसेंस रद्द किया गया है। 93 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। सीतापुर, बलरामपुर और श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया है। वहीं, महाराजगंज और सिद्धार्थनगर जैसे सीमावर्ती जिलों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पकड़े गए हैं जिन्होंने बिना जोत के ही दर्जनों बोरी यूरिया उठा ली। मंत्री ने चेतावनी दी कि ऐसे माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

किसानों को हर हाल में मिलेगी खाद

सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि राज्य सरकार हर किसान को समय से खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। फिलहाल प्रदेश में 15 लाख 91 हजार मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के फर्टिलाइजर उपलब्ध हैं। खरीफ 2024 में अब तक 32 लाख 7 हजार मीट्रिक टन खाद की बिक्री हुई है, जो पिछले साल की तुलना में साढ़े चार लाख मीट्रिक टन अधिक है। उन्होंने कहा कि 15 से ज्यादा जनपदों में 10 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा यूरिया की खपत हुई है, फिर भी कहीं कमी नहीं होने दी गई। रबी सीजन के लिए सरकार ने किये हैं

यह भारत में लोकतंत्र को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा...

गिरफ्तार पीएम सीएम को हटाने वाली बिल पर बोलीं ममता

अपने एक्स हैंडल का इस्तेमाल करते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूं। मैं इसे एक ऐसे कदम के रूप में निंदा करती हूं जो सुपर-इमरजेंसी से भी अधिक है, यह भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने वाला कदम है। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मौत की घंटी है।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक लाने के लिए केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि यह सुपर-आपातकाल की ओर एक कदम है और भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा। अपने एक्स हैंडल का इस्तेमाल करते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूं। मैं इसे एक ऐसे कदम के रूप में निंदा करती हूं जो सुपर-इमरजेंसी से

भी अधिक है, यह भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने वाला कदम है। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मौत की घंटी है। ममता ने चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को भारतीय नागरिकों के मताधिकार को दबाने के लिए केंद्र द्वारा उठाया गया एक और अत्यंत कठोर कदम बताया। बनर्जी ने दावा किया कि यह विधेयक न्यायपालिका की शक्ति छीन लेगा और उसकी संवैधानिक भूमिका को कमजोर कर देगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अब हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खत्म करना चाहता है। हम जो देख रहे हैं वह अभूतपूर्व है - यह विधेयक भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर हिटलरी हमले से कम नहीं है। यह विधेयक न्यायपालिका की संवैधानिक भूमिका को छीनने का प्रयास करता है - न्याय और संघीय संतुलन के मूल में स्थित मामलों पर निर्णय लेने की अदालतों की शक्ति को छीनने का। पक्षपातपूर्ण हाथों में ऐसी शक्तियाँ सौंपकर, यह विधेयक लोकतंत्र को विकृत करता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की यह कड़ी प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने के बाद आई है। इस विधेयक में भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों या उससे अधिक समय तक हिरासत में रहे किसी केंद्रीय या राज्य मंत्री को पद से हटाने का प्रावधान है, भले ही वह दोषी न भी पाया गया हो, लेकिन उसे पाँच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले किसी अपराध के लिए हिरासत में रखा गया हो। केंद्र की भाजपा सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, ₹यह सुधार नहीं है।

जैसलमेर सीमा पर पाकिस्तानी जासूस दबोचा, बड़े खतरे का अलर्ट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत का ऑपरेशन सिंदूर जारी है। इसी कड़ी में राजस्थान के जैसलमेर में पुलिस ने एक संदिग्ध युवक जीवन खान को पाकिस्तानी नंबरों पर बातचीत करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सुरक्षा एजेंसियां अब उससे जासूसी नेटवर्क से जुड़े अहम खुलासे के लिए पूछताछ कर रही हैं।

एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान का जासूसी नेटवर्क तोड़ने के लिए लगाचार एक्शन में है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ये शक था कि देश के अंदर के लोगों ने भी इस आतंकी हमले को अंजानम देने में मदद की है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके बाद देश के अंदर छिपे गद्दारों को तलाशने का दौर शुरू हुआ और देश में कई

जासूसों को गिरफ्तार किया गया। अब एक और शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजस्थान के जैसलमेर जिले में बुधवार को एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवक को पाकिस्तान के फोन नंबरों पर बात करने के कारण संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया युवक जीवन खान सांकड़ा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। यह युवक पाकिस्तानी नंबरों पर बातचीत करते हुए पकड़ा गया है। शुरूआती जांच में उसके मोबाइल में पाकिस्तान के कई फोन नंबर भी मिले हैं।

आप जितना अधिक अराजकता फैलाएंगे, जनता आपको उतना ही नकारेगी

किरेन रिजिजू का विपक्ष पर निशाना

विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) आलोचनाओं का सामना कर रहा है। विपक्षी सांसदों ने 2024 के लोकसभा चुनाव और बिहार एसआईआर में वोट चोरी का आरोप लगाया है।

एजेंसी

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के बाद बुधवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही लंबे समय तक स्थगित रही। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) आलोचनाओं का सामना कर रहा है। विपक्षी सांसदों ने 2024 के लोकसभा चुनाव और बिहार एसआईआर में वोट चोरी का आरोप लगाया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में लगातार हो रहे हंगामे को लेकर विपक्ष की आलोचना की। लोकसभा में बोलते हुए, रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र शुरू होने के बाद से, ये लोग (विपक्ष) लगातार नारे लगा रहे हैं। पिछले तीन दिनों से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के नायक - जिन्होंने अंतरिक्ष की यात्रा की और भारतीय ध्वज फहराया - को विपक्ष के कार्यों के कारण सम्मानित होने का

अवसर भी नहीं दिया गया। यह वास्तव में शर्मनाक है। अपने हमले को और तेज करते हुए, किरेन रिजिजू ने जोर देकर कहा कि सरकार अपने एजेंडे के विधेयकों को चाहे कुछ भी हो पारित करेगी। उन्होंने कहा कि बाहर जाकर देखिए कि आपके कार्यों को कितनी बुरी तरह से देखा जाता है। दुनिया इस पर हँसती है, और अब तो स्कूली बच्चे भी पूछने लगे हैं, ₹क्या सांसद ऐसे ही व्यवहार करते हैं?₹ हम सरकार के काम को हर हाल में पारित करवाएँगे। देश और समाज के हित में जो भी काम करने की जरूरत है, हम करेंगे, क्योंकि इस देश की जनता ने हमें यह ज़िम्मेदारी सौंपी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि व्यवधान पैदा करने से केवल विपक्ष, खासकर नए सांसदों को नुकसान होता है। आप जितना ज्यादा अराजकता फैलाएँगे, जनता आपको उतना ही पूरी तरह से नकार देगी। एक बार फिर, मैं आप सभी से चर्चा में भाग लेने का आग्रह करता हूँ।